मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 236
शुक्रवार, 14 मार्च 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

किसी पर रंग डाला तो होगा एक्शन! हैदराबाद होली खेलने वालों के लिए जारी हुई गाइडलाइन

* गाइडलाइन का उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी
* भारतीय जनता पार्टी ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 13 मार्च। देशभर में कल 14 मार्च को होली का पर्व मनाया जाएगा। इस बार होली को लेकर कई अलग-अलग बयानों पर काफी विवाद हुआ। अब होली को लेकर जारी हैदराबाद पुलिस की गाइडलाइन पर भी बखेड़ा खड़ा हो गया है।

दरअसल हैदराबाद पुलिस ने होली पर कई सारी पाबंदियां लगा दी हैं। इसके लिए पुलिस की तरफ से बाकायदा एक नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इसके मुताबिक, अगर किसी पर बिना उसकी इच्छा के रंग डाला गया, तो ऐसा करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हैदराबाद पुलिस द्वारा जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, दोपहिया का दूसरी गाड़ियां सड़कों या पब्लिक प्लेस पर ग्रुप में नहीं चलेंगी, क्योंकि इससे शांति भंग होती है, असुविधा होती है या खतरा पैदा होता है। इसके अलावा बिना अनुमति के किसी व्यक्ति, स्थान या वाहन पर रंग या रंगीन पानी फेंकने पर प्रतिबंध लगाया गया है। ये आदेश 13 मार्च की शाम 6 बजे से 15 मार्च की सुबह 6 बजे तक प्रभावी रहेंगे। इसके अलावा 14 मार्च को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक शराब की दुकान और बार को भी बंद रखने का निर्देश जारी किया गया है।

भारतीय जनता पार्टी ने इसे लेकर तेलंगाना सरकार पर निशाना साधा है। भाजपा विधायक राजा सिंह ने इसे तुगलकी फरमान बताते हुए रेवंत रेड्डी को निजाम कहा है। उन्होंने कहा, 'निजाम अपने दौर में हिंदुओं को परेशान करते थे। रेवंत रेड्डी निजाम की तरह ही व्यवहार कर रहे हैं।' राजा सिंह ने कहा कि 'मैं मुख्यमंत्री और पुलिस अधिकारियों से पूछना चाहता हूं कि रमजान के 30 दिनों के दौरान लोग किस तरह से बाइक और रात के समय समूहों में घूमते हैं, क्या यह तेलंगाना के नौवें निजाम रेवंत रेड्डी और पुलिस अधिकारियों को दिखाई नहीं देता? इन 30 दिनों के दौरान हैदराबाद में कितना उपद्रव होता है?

राजा सिंह ने तेलंगाना सरकार पर एक विशेष समुदाय का गुलाम होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह हिंदू विरोधी सरकार है। राजा सिंह ने कहा कि हिंदुओं पर प्रतिबंध लगाने के बजाय, सरकार मुसलमानों से होली के दौरान एक दिन के लिए सड़कों से दूर रहने की अपील कर सकती थी।उन्होंने कहा कि इस सरकार ने ऐसा नहीं किया। बल्कि उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ ही एक्शन लेने का ऑप्शन चुना है। राजा सिंह ने कहा कि क्या रमजान के समय ऐसा फरमान जारी करने का ख्याल नहीं आया था।

छत्तीसगढ़ सड़क हादसाः कार और ट्रक की आमने-सामने हुई टक्कर, 6 लोगों की मौके पर मौत

महासमुंद, 13 मार्च। छत्तीसगढ़ में एनएच 353 पर एक कार और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में मातम पसर गया। मृतकों में एक ही परिवार के 5 सदस्य शामिल है। दुर्घटना एनएच 353 पर बागबाहरा के पास हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस को क्रेन की सहायता से मृतकों के शव निकालने पड़े। हादसे में ट्रक का चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के मुताबिक, राजस्व निरीक्षक ताहर सिंह ठाकुर रायपुर में अपनी बेटी से मिलकर वापस लौट रहे थे। उनकी कार, जिसका क्रमांक सीजी 04 क्यूए 4757 था, रायपुर से बागबाहरा की ओर जा रही थी। इसी समय एक ट्रक, जिसका क्रमांक एचआर 56 बी 7341 था, बागबाहरा से महासमुंद की ओर जा रहा था। दोनों वाहन आमने-सामने आ गए और जोरदार टक्कर हो गई। कार में ताहर सिंह ठाकुर के अलावा बिन्देश्वरी ठाकुर, वैभवी ठाकुर, तृप्ति ठाकुर और सरोजनी ठाकुर भी सवार थे। इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक सूरज कंसारी ने भी हादसे में अपनी जान गंवा दी। ये सभी बागबाहरा के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पुलिस ने सभी शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागबाहरा भेजा, जबकि घायल ट्रक चालक को उपचार के लिए महासमुंद जिला अस्पताल रेफर किया गया।

होली से पहले सीवान में दर्दनाक हादसा, सरयू नदी में डूबने से 3 दोस्तों की हुई मौत

पटना, 13 मार्च। बिहार के सीवान जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जहां पर सरयू नदी में नहाने के दौरान डूबने से तीन दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई हैं। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। होली से एक दिन पहले 3 युवकों की मौत से त्यौहार की खुशी फीकी पड़ गई। सभी के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना दरौली थाना क्षेत्र के सरयू नदी घाट की है। मृतकों की पहचान दरौली थाना क्षेत्र के मंगरौली गांव निवासी सूरज, सनी और रितेश कुमार के रूप में हुई है। तीनों मृत युवक एक ही गांव के रहने वाले हैं और तीनों आपस में दोस्त थे। बताया जा रहा है कि सरयू नदी में तीनों दोस्त नहाने गए थे। इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने से उनकी डूबकर मौत हो गई। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शवों को नदी से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, इस दर्दनाक हादसे के बाद से मृतकों के परिवार में कोहराम मचा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मेडिकल इतिहास में हुआ चमत्कार, आर्टिफिशियल हार्ट पर 100 दिनों तक जिंदा रहा शख्स

नई दिल्ली, 13 मार्च। ये खबर मेडिकल इतिहास में किसी चमत्कार से कम नहीं है। ऑस्ट्रेलिया से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। ऑस्ट्रेलिया के एक व्यक्ति को पूरी तरह से मेटल से बने हार्ट पर 100 दिनों तक जिंदा रखा गया। अब ये हुआ कैसे इसके बारे में आपको विस्तार से बताते हैं। शख्स के अंदर टाइटेनियम का बना दिल लगा दिया गया था। वह शख्स इस मशीनी हार्ट के सहारे 100 दिनों तक जिंदा रहा, ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। शख्स की उम्र 40 साल बताई जा रही है, टाइटेनियम से बने हार्ट का इस्तेमाल करने वाला ये पहले इंसान बन गया। बता दें कि सिडनी के सेंट विंसेंट अस्पताल में नवंबर 2023 के दौरान शख्स का ऑपरेशन किया गया। मरीज का हार्ट पूरी तरह फेल हो चुका था। तत्काल कोई हार्ट डोनर था नहीं। इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने 6 घंटे की सर्जरी के बाद पूरी तरह से डैनियल टिम्स द्वारा डिजाइन किया गया इश्अउडफ टोटल आर्टिफिशियल हार्ट मरीज में प्रत्यारोपित कर दिया। यह आर्टिफिशियल हार्ट दुनिया की पहली रोटरी रक्त पंप है। इसी हार्ट पर मरीज जिंदा रहा और यहां तक कि उसे अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई और वह सामान्य कामकाज करने लगा। जब उसे हार्ट देने के लिए डोनर मिल गया तो सौ दिनों के बाद उसके शरीर में इंसान वाला हार्ट लगा दिया गया। इश्अउडफ कृत्रिम हृदय मैग्नेटिक लेविटेशन तकनीक का इस्तेमाल करता है, जो हाई-स्पीड ट्रेनों में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक के समान है। यह शरीर और फेफड़ों में रक्त पंप करने का कार्य करता है, जिससे हृदय के दोनों निलयों को बदला जा सकता है। इसमें केवल एक ही चलने वाला भाग होता है एक घूमने वाला रोटर, जिसे चुंबकों की मदद से संतुलित किया जाता है। यह टाइटेनियम से बना होता है और इसमें कोई वाल्व या मैकेनिकल बियरिंग नहीं होते, जिससे यह अधिक टिकाऊ और प्रभावी बनता है।

होली पर रेलवे स्टेशनों से लेकर बस अड्डे और एयरपोर्ट पर उमड़ा जनसैलाब

नई दिल्ली, 13 मार्च । होली के मौके पर रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों से लेकर एयरपोर्ट पर लोगों की भीड़ उमड़ी। बृहस्पतिवार को सुबह से ही यातायात के संसाधन वाले स्टॉपेज पर लोग अपनी-अपनी सवारी का इंतजार करते दिखे। रेलवे स्टेशनों पर उनकी निगाहे उस बोर्ड पर टिकी थी जहां स्पेशल ट्रेन की जानकारी समय-समय पर दी जा रही थी। बार-बार पूछताछ केंद्र पर पहुंचकर अपने ट्रेन की जानकारी जुटाते दिखे। दो महीने पहले ही लोग ट्रेन में सीट आरक्षित करा लेते हैं, लेकिन ट्रेनों की कमी की वजह से कई लोगों को निराश होना पड़ता है वे तत्काल और स्पेशल ट्रेन के भरोसे रहते हैं। ट्रेन नहीं मिलने पर बस और विमान का रुख करते हैं। होली से ठीक एक दिन पहले आनंद विहार, पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली स्टेशन से बड़ी संख्या में लोग रवाना हुए। वैशाली, सप्तक्रांति, सत्याग्रह, लखनऊ मेल, पूर्वा, संपर्क क्रांति, राजधानी समेत सभी ट्रेन में जबरदस्त भीड़ उमड़ी। जिन लोगों के पास आरक्षित टिकट नहीं था वे अनारक्षित स्पेशल ट्रेन से रवाना हुए। ट्रेन संख्या 04422 नई दिल्ली-दरभंगा जंक्शन होली स्पेशल की जब स्टेशन उद्घोषणा हुई तो कई लोगों के चेहरे पर रौनक छा गई। यह ट्रेन नई दिल्ली से दोपहर 12.15 बजे रवाना हुई। गाजियाबाद, अलीगढ़, टूंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, गोंडा, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर जाने वाले बड़ी संख्या में इस ट्रेन से रवाना हुए। भीड़ की वजह से कई लोगों को मायूस भी होना पड़ा और किसी अन्य यातायात व्यवस्था का सहारा लेना पड़ा।

जेलेंस्की ने सीजफायर पर भरी हामी, अब रूस के बदल रहे सुर

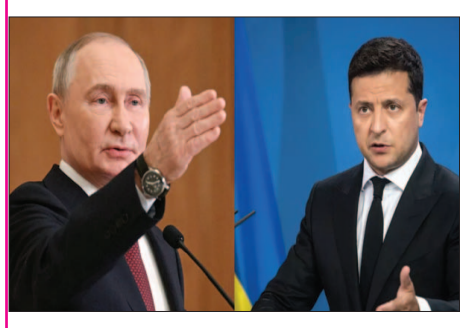

नई दिल्ली, 13 मार्च। रूस और अमेरिका जल्द ही 30-दिवसीय युद्धविराम योजना पर बातचीत करने वाले हैं। इस योजना पर यूक्रेन पहले ही सहमति दे चुका है। यह बातचीत रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से सैन्य वर्दी में टेलीविजन पर दिखाई देने के कुछ समय बाद हो रही है। इस दौरान पुतिन ने कहा था कि वह जल्द ही कुर्स्क को फिर से हासिल कर लेंगे। पुतिन की टिप्पणी के बाद रूसी रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि उसने यूक्रेनी सेना से कुर्स्क क्षेत्र के सबसे बड़े शहर सुदजा पर नियंत्रण वापस पा लिया है। बता दें कि अगस्त 2024 में सीमा पर अचानक किए गए हमले के बाद से यूक्रेनी सैनिकों ने कुर्स्क क्षेत्र पर कब्जा कर रखा था। उधर बातचीत के लिए अमेरिकी वातार्कार अपनी योजना पेश करने के लिए रूस के दौरे पर हैं। बता दें अमेरिका रूस पर 'बिना शर्त' समझौता करने का दवाब बना रहा है। इस बीच क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार और पुतिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने कहा है कि यूक्रेन को युद्धविराम से 'अस्थाई राहत' मिलेगी। यूरी उशाकोव ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज से फोन पर बात करने के बाद सरकारी मीडिया से कहा, ₹यह यूक्रेनी सेना के लिए एक अस्थायी राहत से अधिक कुछ नहीं होगा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार को मुमकिन है कि इस मामले में ठोस आकलन करेंगे। रूस एक दीर्घकालिक शांतिपूर्ण समाधान का लक्ष्य बना रहा है जो रूस के वैध हितों को सुरक्षित करेगा। उन्होंने कहा, हम इसी के लिए प्रयास कर रहे हैं। मेरा मानना है कि वर्तमान स्थिति में किसी को भी शांतिपूर्ण कार्रवाई जैसे कदम उठाने की आवश्यकता नहीं है।

जामा मस्जिद जाने वाले रास्ते बंद, संभल में होली और जुमे को लेकर अलर्ट

संभल, 13 मार्च। होली और जुमे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने जवानों के साथ शहर में पैदल मार्च कर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया। पैदल मार्च में पुलिस के साथ पीएसी और आरआरएफ के जवान भी शामिल रहे। अधिकारियों ने लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। दरअसल, शुक्रवार को होली और जुमे के दिन कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शहर में अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश्चंद्र और सीओ अनुज चौधरी और असमोली सीओ कुलदीप कुमार ने पुलिस बल, पीएसी और आरआरएफ जवानों ने पैदल मार्च किया। इस दौरान अधिकारियों ने शहरवासियों से संवाद कर पर्व को शांतिपूर्वक तरीके मनाने की अपील की।

22 वर्षीय छात्रा ने की वर्जिनिटी की नीलामी, एक्टर ने करोड़ों रुपए में जीती बोली!

ब्रिटेन, 13 मार्च। ब्रिटेन की 22 वर्षीय छात्रा लाउरा ने अपनी वर्जिनिटी को 18 करोड़ रुपये (करीब 1.7 मिलियन पाउंड) में बेचकर सुर्खियां बटोरी हैं। यह नीलामी एक प्रतिष्ठित एस्कॉर्ट एजेंसी की वेबसाइट पर गुप्त रूप से आयोजित की गई, जिसमें राजनेताओं, बिजनेसमैन और सेलेब्रिटीज ने भाग लिया। आखिर में, एक हॉलीवुड अभिनेता ने सबसे ऊंची बोली लगाकर लाउरा की वर्जिनिटी हासिल की। अपने इस फैसले पर बोलते हुए लाउरा ने कहा, ₹कई लड़कियां बिना किसी कारण के अपनी वर्जिनिटी खो देती हैं। लेकिन मैंने इसे अपने फ्यूचर को सुरक्षित करने का एक स्मार्ट तरीका बनाया। मुझे इसका कोई पछतावा नहीं है। लाउरा ने बताया कि नीलामी में कई अमीर बिजनेसमैन और प्रभावशाली नेता भी शामिल थे, लेकिन अंत में एक हॉलीवुड अभिनेता ने सबसे ऊंची बोली लगाई। डील को अंतिम रूप देने से पहले खरीदार ने वर्जिनिटी की पुष्टि के लिए मेडिकल टेस्ट भी करवाया। लाउरा के इस कदम ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। कुछ लोग इसे गलत मान रहे हैं और नैतिकता व सांस्कृतिक मूल्यों पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं, कुछ का मानना है कि यह उसकी निजी च्वॉइस है और अगर इससे आर्थिक फायदा हो रहा है, तो इसमें कुछ गलत नहीं। लाउरा ने कहा कि वह इस पैसे का इस्तेमाल अपने करियर को सुरक्षित करने के लिए करेंगी। साथ ही, वह एक ऐसा पार्टनर या शुगर डैडी चाहती हैं जो रिलेशनशिप में आर्थिक रूप से उनकी मदद कर सके। यह मामला दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गया है। कुछ लोग इसे महिलाओं की आजादी का प्रतीक मान रहे हैं, जबकि अन्य इसे समाज के मूल्यों पर खतरा बता रहे हैं। आपकी इस पर क्या राय है?

गाय के गोबर से गुलाल बनाया

अमेठी। गाय के गोबर से ऑर्गेनिक गुलाल बनाकर महिलाएं अपनों की जिंदगी में खुशियों का रंग भरने में जुटी हैं। अपनों के साथ यह महिलाएं दूसरों को भी केमिकल रंगों से होने वाले नुकसान से बचाने का भी कम कर रही है। अपनी आमदनी के साथ दूसरों की सुरक्षा व खुशियों में गुलाल बन गांव की सीधी-साधी महिलाएं आत्मनिर्भरता के साथ नारी सशक्तीकरण का उदाहरण बन समाज में अपनी चमक बिखेर रही हैं।

हार्दिक शुभकामना

रंगों का पर्व होली के शुभ अवसर पर सभी पाठकों, विज्ञापन दाताओं एवं शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

-संपादक

अवकाश

होली के पावन पर्व पर समाचार का कार्यालय 14 मार्च 2025 को बंद रहेगा।

-संपादक

नदियों को विवाद नहीं, विकास का माध्यम बनाये

-ललित गर्ग

नदियों के लिये अन्तर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस- 14 मार्च, 2025

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो ?शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के ?बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों के समक्ष आने वाले खतरों, जैसे प्रदूषण, आवास की क्षति और जल संसाधनों के अत्यधिक दोहन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये हर साल 14 मार्च को, ह्यनदियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवसह्ल मनाया जाता है, जो नदियों और उनके संरक्षण के लिए एक वैश्विक मंच है, ताकि नदियों और समुदायों की एकजुटता बढ़ाई जा सके और नदियों के महत्व के बारे में जागरूकता लाई जा सके। इस दिवस की 2025 की थीम ह्यहमारी नदियाँ, हमारा भविष्यह्ल है। इस दिवस की शुरूआत 14 मार्च 1997 को कुर्टिबा, ब्राजील में बांधों से प्रभावित लोगों की पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक में हुई थी। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। बढ़ते नदियों के प्रदूषण को रोकने के लिये उनमें को अपशिष्ट या सीवेज, कारखानों से निकलने वाले तेल, कैमिकल, धुंआ, गैस, एसिड, कीचड़, कचरा, रंग को डालने से रोकना होना, हमने जीवनदायिनी नदियों को अपने लोभ, स्वार्थ, लापरवाही के कारण जहरीला बना दिया है। दुनियाभर में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश एवं दुनिया के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। जीवन में श्रेष्ठ वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त दे रखी हैं- पानी, हवा और प्यार। और आज वे ही विवादग्रस्त, दूषित और झूठी हो गईं।

नदियों के लिए 28वें अंतर्राष्ट्रीय कार्य दिवस पर ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियाँ इंसानी जीवन के साथ प्रकृति, कृषि के लिये महत्वपूर्ण हैं। यह दिन व्यक्तियों और संगठनों को नदी संरक्षण की दिशा में कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करता है। वर्तमान में भारत सहित दुनिया की तमाम नदियां संकट के दौर से गुजर रही हैं। नदियों के सामने जहां प्रदूषण व अतिक्रमण जैसी भयावह चुनौतियां खड़ी हैं, वहीं उनमें निरंतर घट रही पानी की मात्रा भी गंभीर चिंता में डालने वाला है। कस्बों व शहरों के घरेलू, औद्योगिक कचरे एवं गन्दगी के बहिस्त्राव के कारण नदियों ने गंदे नाले का रूप लेना प्रारंभ कर दिया है। सैकड़ों बरसाती नदियां बहुत पहले ही अपना अस्तित्व खो चुकी हैं। आज जब नदियां प्रदूषित हो रही हैं तो किनारे बसा समाज भी उस प्रदूषण के असर से बच नहीं पा रहा है। हमारी कृषि व्यवस्था का कुछ हिस्सा भी उससे प्रभावित हो रहा है। आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है।

समूची दुनिया में पीने का शुद्ध पानी एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पानी अत्यधिक जहरीला हो चुका है। इस कारण पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों को संबोधित करके विश्व स्तर पर लोगों को नदियों को बचाने के बारे में बात करने के लिए अग्रसर करना एवं उनमें जागरूकता पैदा करना है। नदियाँ भी अत्यधिक खतरे में हैं, विश्व की 10 प्रतिशत से भी कम नदियां सुरक्षित हैं। इस दिवस की उपयोगिता एवं सार्थकता तभी है जब हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करें। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल दे। विनाशकारी परियोजनाओं का पदार्फाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। इस दिवस के माध्यम से एक ऐसी दृष्टि विकसित करना जो नदियों और उन पर निर्भर समुदायों की रक्षा करे। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतदेर्शीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है लेकिन दुर्भाग्य से प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है।

नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्त्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताजा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए जरूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। घरेलू और औद्योगिक गंदा पानी बहकर जाता है, जलवायु नियंत्रण में मदद करती हैं। नदियां प्राकृतिक संपदा हैं। नदियां आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का भी प्रमुख स्त्रोत हैं, जिनके किनारे कई महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल हैं। नदियों के किनारे ही कई प्रमुख शहर, शैक्षिक और पर्यटन से जुड़े शहर बसे हैं। नदियों की साफ-सफाई के नाम पर कई हजार करोड़ रुपए बहा दिए गए हैं, लेकिन लगता है सब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये।

आधुनिक शोधों से भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को प्रभावित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है। गंगा ने अपनी विभिन्न धाराओं से, विभिन्न स्त्रोतों से भारतीय सभ्यता को समृद्ध किया, गंगा विश्व में भारत की पहचान है। वह मां है, देवी है, प्रेरणा है, शक्ति है, महाशक्ति है, परम शक्ति है, सर्वव्यापी है, उत्सवों की वाहक है। एक महान तीर्थ है। पुराण कहते हैं कि पृथ्वी, स्वर्ग, आकाश के सभी तीन करोड़ तीर्थ गंगा में उपस्थित रहते हैं। गंगाजल का स्पर्श इन तीन करोड़ तीर्थों का पुण्य उपलब्ध कराता है। गंगा का जल समस्त मानसिक एवं तामसिक दोषों को दूर करता है। यह जल परम पवित्र एवं स्वास्थ्यवर्धक है, जिसमें रोगवाहक कीटाणुओं को भक्षण करने की क्षमता है। गंगा का दर्शन मात्र ही समस्त पापों का विनाश करना है। 140 सालों में आने वाला महाकुंभ हाल ही में प्रयासराज में संगम पर 66 करोड़ लोगों का साक्षी बना, जिस गंगा का इतना महत्व है, उपयोगिता है तो फिर क्यों उसके प्रति उपेक्षा एवं उदासीनता बरती जाती रही है?

टूटता है अहंकार, मिलते है गले...

-सुरेश गांधी

प्रह्लाद को गोद में बिठा कर आग के बीच दहकती हिरणकश्यप की बहन होलिका का भस्म होना और भक्त प्रह्लाद का सुरक्षित बच निकलना बुराई पर अच्छाई की जीत है। इस जीत को ही अबीर-गुलाल उड़ा कर, ढोल-नगारे की थापों के बीच नाच-गाकर मनाया जाता है। हजारों वर्ष बाद भी भारत में उल्लास के साथ यह परंपरा जीवित है तो इसका अर्थ है कि हम आधुनिकता के इस भौतिक दौर में भी जीवन के सत्य को याद रखे हुए हैं। जीवन का यह सत्य ही मनुष्यता है, धर्म है, आनंद है। होली की ठिठोली के बीच मस्ती और हुड़दंग में इसे न भूलें यही होली का संदेश है। होली में सभी का उत्साह बराबर होता है। पर होली का उत्साह बच्चों में कुछ खास ही होता है। होली का त्यौहार हो और पिया का प्यार हो फिर इस त्यौहार का मजा ही दुगुना हो जाता है। इस मौके पर जो आप जो रंग बिखेरते है, वही आपका हो जाता है। ठीक इसी तरह जीवन में जो कुछ भी आप देते है, वहीं आपका गुण हो जाता है। रंगों का महत्व इस मामले में भी है कि जिस रंग को आप परावर्तित करते है, वह अपने आप ही आपके आभामंडल से जुड़ जाता है। जो लोग आत्म संयम या साधना के पथ पर है, वे खुद से किसी भी नई चीज को नहीं जोड़ना चाहते। उनके पास जो है, वह उसके साथ ही काम करना चाहते हैं। यानी आप अभी जो है, उस पर ही काम करना बहुत ही मायने रखता है। एक-एक करके चीजो को जोड़ने से जटिलता पैदा होती है। इसलिए उन्हें कुछ नहीं चाहिए। मतलब साफ है वे जो कुछ भी है, उससे ज्यादा वे कुछ भी नहीं लेना चाहते।

होली के रंगों में भीगे कृष्ण और राधा सहित गोपियां के आख्यान हों या ईसुरी के फाग, सब मन को विभोर कर जाते हैं। ये सारे प्रसंग पुराने होकर भी हर साल नित्य नवीन जैसे लगते हैं। आदमी होली की मस्ती में डूब कर सब कुछ भूल जाता है और फिजाओं में गूंज उठते हैं ये स्वर- ह्यहोली आई रे कन्हाई रंग बरौ सुना दे जरा बांसुरीह्य। पिता हिरण्यकश्यपु की लाख प्रताड़नाओं यहां तक कि कई बार मार डालने की कोशिशों के बावजूद बालक प्रह्लाद की विष्णु के प्रति भक्ति अडिग रहती है। राक्षस कुल में जन्मे प्रह्लाद की भगवद-भक्ति हिरण्यकश्यपु के ह्यमैं ही विष्णु हूंह्य जैसे अहंकार को चूर-चूर कर देती है। वह जितना जोर देकर अपने पुत्र को डराता है कि ह्यविष्णु का नहीं मेरा नाम जपोह्य, प्रह्लाद की भक्ति उतनी ही दृढ़ होती जाती है। वह न डरता है और न विचलित होता है। पिता के आदेश दर पर प्रह्लाद को पहाड़ की ऊंचाइयों से फेंका गया, उबलते तेल के कड़ाह में डाला गया, किंतु ये यातनाएं भी उसकी भक्ति को कमजोर नहीं कर सकी। प्रह्लाद की कथा से जुड़े ये सारे आख्यान और उसकी अविचल भक्ति आज भी बुराइयों से लड़ने की प्रेरणा देती है। कहा जा सकता है कोई भी डर, कोई भी प्रताड़ना या कोई भी प्रलोभन हमें अपने ईमान से, मनुष्यता के भाव से डिगा न सके तो यह धरती ही स्वर्ग बन जाये। शक्ति के मन में कुल बुलाती बुराइयां, उसके अंतस में मचलता स्वार्थ-लोभ-लालच कब उसे इतना नीचे गिरा देता है कि वह इनसान से हैवान बन जाता है, यह वह समझ ही नहीं पाता। इन दुष्वृत्तियों के कारण मानो सारे रिश्ते बेमानी हो जाते हैं। आदमी इन रिश्तों का, इनसानियत का खून करने से भी नहीं हिचकता। यानी इंसान किसी न किसी रंग में रंगा और अपने राग में मस्त है।

दुनिया के रंगमंच पर विभिन्न भूमिकाएं अदा कर रहे इंसान अलग-अलग रंगों की शरण लेते हैं। साधु-संयासी गेरुआ पहनते है, तो समाजसेवी सफेद, वहीं सिनेमा के पर्दे पर अभिनय करने वाले कलाकर दर्शकों का दिल जीतने व बहलाने के लिए रंग-बिरंगे कपड़े धारण करते हैं। जबकि सच तो यही है कि ब्रह्मांड के किसी भी चीज में रंग नहीं हैं। पानी, हवा, अंतरिक्ष और पूरा जगत ही रंगहीन हैं। यहां तक की जीन चीजों को आप देखते है, वे भी रंगहीन हैं। रंग केवल प्रकाश में होता है। रंग वह नहीं है जो दिखता है, बल्कि वह है जो त्यागता है। आप जो रंग बिखेरते है, वही आपका रंग हो जाऐगा। ठीक इसी तरह जीवन में जो कुछ भी आप देते है, वही आपका गुण हो जाता है। अगर आनंद देंगे तो लोग कहेंगे आप एक आनंदित इंसान है। आपके व्यवहार व आचरण ही बताएंगा कि आप किस रंग की छाप हैं। भक्त प्रह्लाद भी बुराइयों से लड़कर मनुष्यता को बचाने का प्रयास करते है। यानी जब व्यक्ति का अहंकार उसे भगवान से भी ऊंचा मानने लगता है तो उसका पतन निश्चित है। इसीलिए ज्ञान व विद्या का पहला लक्षण विनम्रता ही है। विद्या ददाति विनयं, विनयात याति सुपरत्रताह्य इस विनय से ही व्यक्ति सुपात्र बनता है। विनय साधुता और अहंकार दुष्टता का लक्षण है। प्रह्लाद ने अपने पिता की दुष्टता व हिंसा का विरोध नहीं किया, बल्कि अपनी सारी शक्ति अपनी भक्ति को अडिग रखने में लगायी। यह दृढ़ विश्वास ही उनकी विजय का मूल बना। प्रह्लाद की भक्ति और विश्वास के सामने हिरण्यकश्यपु के सभी अत्याचारी उपक्रम निष्फल और असहाय साबित हो रहे थे। उसका राक्षसी अहंकार यह मानने को कतई तैयार नहीं था कि एक छोटा सा बालक, वह भी उसका पुत्र राजाज्ञा का उल्लंघन कर विष्णु-विष्णु जपता रहे। प्रहलाद के इस अडिगता को परास्त करने के लिए ही उनकी बहन होलिका को सामने लाया गया, जिसे वरदान था कि अग्नि उसे जला नहीं सकती। होलिका बालक प्रह्लाद को गोद में लेकर बैठी, अग्नि प्रज्जवलित की गयी, लेकिन होलिका जल मरी, प्रहलाद सही सलामत बाहर निकल आए। उनकी भक्ति के आगे पिता की शक्ति हार गयी।

होली पर रंगों की गहन साधना हमारी संवेदनाओं को भी उजला करती है। क्योंकि होली बुराईयों के विरुद्ध उठा एक प्रयास हैं। इसी से जिंदगी जीने का अंदाज मिलता है और दुसरों का दु:ख-दर्द बाटा जाता है। बिखरती मानवीय संवेदनाओं को जोड़ा जाता है। होली के नाम से ही जैसे दिल और दिमाग पे मस्ती सी छाने लगती है। बिना पिए ही उस आनंद में डूबने लगते हैं। पूरे बदन का पोर-पोर इशारे करने लगते हैं, होली आ गई हैं। होली के आते ही रंगमयी मौसम लगने लगता है, धरती से लेकर गगन तक सप्तरंगी हो जाते हैं। इस अवसर पर हम अहंकार का टूटना देखते है और उदार मन वाला होकर अपने को पूर्ण का अंश बनने के साक्षी बनते है। रंगो और प्रेम-भाव से सुवासित समानता और समता की गारंटी देने वाला होली का उत्सव हर किसी को आमंत्रित करता है कि अपने-अपने अहम का विसर्जन कर आगे बढ़ों

कहा जा सकता है जीवन में भक्ति और शक्ति का समन्वय है। भक्ति सुमति देती और शक्ति जगत का कल्याण करती है। इसे दुष्टता से नहीं, सुमति से ही समझा जा सकता है। यही आदर्श जाति-मजहब और रंगभेद से ऊपर शांति-सदभाव-बंधुता और परस्पर सौहार्द से युक्त वैश्विक जीवन का विश्वास जगाते हैं। यही वजह है कि जीवन में रंग महती भूमिका निभाते हैं। रंगों के माध्यम से ही हम प्रकृति की हरियाली से लेकर सुरज की सुनहरी रोशनी, आसमान का नीलापन और चंद्रमी की उजास देख पाते हैं। बादलों के बीच दिखती सात रंगों की इंद्रधनुषी रेखाएं प्रत्येक रंग की सुंदर कहानियां बयां करती है, जिन्हें देखकर मन रंग-बिरंगी दुनिया का हिस्सा बन जाता है। सही मायनों में जीवन को रंग-बिरंगा या रंगहीन बनाना सबकुछ स्वयं के आचरण च सोच पर निर्भर करता है। आप जैसा सोचेंगे, जीवन में वैसा ही होता चला जायेगा। कोई पूर्वाग्रह होता ही नहीं। आप जहां भी होते है, उसी का हिस्सा हो जाते हैं। वह रंग एक पल के लिए आप से चिपकता नहीं। आप केवल उसके ही नहीं होते, आप सबके होते हैं। इसलिए जीवन को सफल बनाने के लिए प्रहलाद जैसा आत्मनिर्भर व लक्ष्य के प्रति अडिग बनना होगा। होली का पर्व मन की इसी धूल को जो हमें भरमाये रहती है, जीवन की सच्चाई को समझने के बीच भ्रम का परदा डाले रहती है, उसे झाड़ कर और उसकी साफ-सफाई करके मन को निर्मल बना लेना, उसे बुराइयों से मुक्त कर दूसरों के साथ प्यार से जोड़ लेना सिखाता है।

या यूं कहे रंगों का पर्व होली हर बार एकरस जीवन में उत्साह भरने, व्यस्त दिनचर्या को बदलने तथा खुद पर और दूसरों पर हंसने के अवसर के रूप में आता है। जिस पर्व में फाल्गुन पूर्णिमा की पवित्रता, आम के बौरों की सुगंध, होलिका की पृष्ठभूमि और मदनोत्सव की परंपरा हो, उसकी विशिष्टता की कल्पना भर ही की जा सकती है। आपसी प्रेम और सामाजिक सद्भाव के इस मौके पर लोगों में जो उत्साह देखने को मिलता है, वह सहज और स्वाभाविक है। कहा जा सकता है कि यदि हमारी संस्कृति में अगर होली जैसे पर्व न होते तो आज के आत्मकेंद्रित और मशीनी दौर में मौज मस्ती व हंसी-ठिठोली के मौके तलाशने तक दूभर हो जाते। होली का यह पर्व ऐसे समय आता है, जब नई फसलें कटकर घर आती हैं और किसानों का मन खिला-खिला रहता है। प्रकृति भी विभिन्न रंगों के फूलों के परिधान में निखरी-निखरी नजर आती है। फाल्गुनी हवा हर किसी के नवजीवन में प्राण भरती है। इस त्योहार की सबसे बड़ी खासियत है कि यह ऊंच-नीच, छोटे-बड़े, जाति भेद की दीवारों को तोड़कर हमारी बहुलतावादी सांस्कृतिक विविधता का प्रतिनिधित्व करता है। जीवंतता का यह उत्सव जड़ता को तोड़कर नवीनता का संदेश देता है। इसके अलावा यह खतरे उठाकर की जाने वाली अभिव्यक्ति का त्योहार भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि होली के अवसर पर ऐसे आचरण और अभिव्यक्ति की भी छूट है, जो हमारे नियंत्रित और अनुशासित जीवन में संभव नहीं है। होली के बाद मन निर्मल होकर उत्साहपूर्वक अपने काम में लग जाता है। लेकिन तमाम अच्छाइयों के बीच बुरा पक्ष यह है कि होली की मस्ती के नाम पर उच्छृंखलता भी यदा-कदा चरम पर पहुंच जाती है। कई बार इसके नतीजे आपसी सद्भाव बिगड? के खतरे तक पहुंच जाते हैं। इसे रोकने की जरूरत है।

चिंता इस बात की भी है कि आज सोशल मीडिया के युग में सामाजिकता आपसी मेलजोल के नाम पर किसी पोस्ट को लाइक और शेयर करने तक सीमित रह गई है। होली, नवजीवन का संदेश लेकर आए ताकि बहुलतावादी नए विकसित भारत के निर्माण में हम योगदान दे सकें। हर बार की तरह सबके जीवन में खुशियों के रंग भरकर तमाम वर्जनाओं को तोड? वाले इस त्योहार की गरिमा इसी में है कि हम इसकी मयार्दा बनाए रखें और पर्व का मौलिक आनंद लें। इस पर्व की पहचान देश की संस्कृति के रूप में होती है. वसंत ऋतु जनजीवन में नयी चेतना का संचार कर रही होती है, फागुन की सुरमई हवाएं वातावरण को मस्त बनाती हैं. तभी होली के रंग हमारे लोकजीवन में घुल जाते हैं. इन्हीं दिनों नयी फसल भी तैयार होती है. किसानों के लिए यह उल्लास का समय होता है. तभी होली के बहाने नये अन्न की पूजा पूरे देश में की जाती है. दिलचस्प यह है कि दुनियाभर में अलग-अलग समय में होली की ही तरह के त्योहार मनाये जाते हैं, जिनका असल मकसद तनावों से दूर कुछ पल मौज-मस्ती के बिताना होता है. होली का अर्थ है-हो ली, यानी जो बीत गयी, सो बीत गयी, अब आगे की सुध लो. गिले-शिकवे मिटाओ, गलतियों को माफ करो और एक-दूसरे को रंगों में सराबोर कर दो। होली का उद्देश्य समाज में समरसता बनाये रखना, अपने परिवेश की रक्षा करना और जीवन में मनोविनोद बनाये रखना है. यही इसका मूल दर्शन है.

प्रसिद्धि की बैसाखी बनता साहित्य में चौर्यकर्म

(शिकायत- चोरी के साहित्य की)

-डॉ. सत्यवान सौरभ

साहित्यिक चोरी साहित्यिक क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती बन गई है, जहाँ एक लेखक के विचारों, शब्दों या रचनाओं पर दूसरे लेखक द्वारा उचित स्वीकृति के बिना दावा किया जाता है। यह कृत्य न केवल साहित्यिक नैतिकता का उल्लंघन करता है बल्कि सच्चे लेखक की मौलिकता और रचनात्मकता को भी कमजोर करता है। कॉपी-पेस्ट करने का मुद्दा हिंदी साहित्य में तेजी से प्रचलित हो रहा है, खासकर इस डिजिटल युग में, जहाँ लेख, कविताएँ और कहानियाँ ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध हैं। साहित्यिक चोरी में किसी और के साहित्य को बिना श्रेय दिए लेना या उसमें मामूली बदलाव करके उसे अपना बताकर पेश करना शामिल है। यह व्यवहार मूल लेखकों के अधिकारों का उल्लंघन करता है और रचनात्मकता और मौलिकता को दबाता है। कुछ व्यक्ति इस हद तक चले जाते हैं कि वे दूसरों के साहित्य को अपना बता देते हैं। साहित्यिक चोरी के एक रूप में कहानी के पात्रों को बदलना और उसे मूल रचना के रूप में विपणन करना शामिल है। इस कुकृत्य में ऐसे लोग भी हैं जो स्थापित लेखकों की प्रसिद्ध कृतियों को अपनी कृति के रूप में प्रस्तुत करते हैं, तथा अक्सर साहित्यिक क्षेत्र में मान्यता और प्रसिद्धि पाने की कोशिश करते हैं।

साहित्यिक चोरी तब होती है जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे लेखक के शब्दों को बिना अनुमति या उचित श्रेय दिए अपने शब्दों के रूप में प्रस्तुत करता है। इसमें वे स्थितियाँ भी शामिल हैं जहाँ कोई लेखक बिना उचित उद्धरण के अपने पहले से प्रकाशित साहित्यिक काम का पुनः उपयोग करता है। इसके अतिरिक्त, यदि कोई व्यक्ति मूल विचारों और संरचना को बरकरार रखते हुए किसी दूसरे की सामग्री में मामूली बदलाव करता है, तो उसे भी साहित्यिक चोरी माना जाता है। यह समस्या विभिन्न समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में प्रचलित है, और दुर्भाग्य से, यह आज भी जारी है। साहित्यिक चोरी के कई रूप हैं, और यहाँ तक कि दोहराव को भी रचनात्मक चोरी के रूप में देखा जा सकता है। उदाहरण के लिए, कई हिंदी लेखक होली या दिवाली जैसे त्योहारों के दौरान विभिन्न प्रकाशनों में अपनी रचनाएँ पुनः प्रकाशित करते हैं। एक मजबूत समीक्षा संस्कृति की कमी ने साहित्यिक चोरी को साहित्य का एक परेशान करने वाला पहलू बना दिया है। आजकल, कोई भी किसी रचना को उसे बिना किसी जाँच के प्रकाशित करवा सकता है, जिससे ऐसी स्थिति बन जाती है जहाँ मूल लेखक ठगे रह जाते हैं। 'निजी' पाठ्यक्रमों के लिए प्रसिद्ध लेखकों की कृतियाँ लेना और उन्हें अपने नाम से प्रकाशित करना आम बात हो गई है। इस व्यवहार को खत्म करने के लिए केवल आलोचना ही अपर्याप्त लगती है। साहित्यिक चोरी सिर्फ. नए लेखकों या प्रसिद्धि चाहने वालों की ही बैसाखी नहीं है। यहाँ तक कि स्थापित हिंदी लेखक भी दूसरों की रचनाओं में थोड़ा-बहुत बदलाव करके उन्हें अपना बता देते हैं। साहित्यिक चचाओं में साहित्यिक चोरी के कई उदाहरण सामने आए हैं, जिनमें कुछ लेखकों पर प्रसिद्ध पुस्तकों के अंशों को अपनी रचनाओं में शामिल करने का आरोप लगाया गया है, जिससे अंततः उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचा है।

हरियाणा के एक लेखक द्वारा राज्य गान के रूप में एक गीत के चयन को लेकर हाल ही में एक बहस छिड़ी है, जिस पर साहित्यिक चोरी का आरोप लगाया गया है। अन्य लेखकों ने इस मामले पर अपनी चिंता व्यक्त की है और इसे राज्य के मुख्यमंत्री के ध्यान में लाया है। इस स्थिति ने साहित्यिक चोरी के साथ-साथ आज साहित्य के सामने आने वाले अवसरों और चुनौतियों के बारे में नए सिरे से बातचीत शुरू कर दी है। साहित्यिक चोरी और कॉपी-पेस्ट का मुद्दा हिंदी साहित्य में भी बढ़ रहा है, खासकर डिजिटल युग में, जहां लेख, कविताएं और कहानियां ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध हैं। किसी अन्य लेखक के काम को बिना उचित श्रेय दिए या केवल मामूली बदलाव करके कॉपी करना साहित्यिक चोरी का एक स्पष्ट उदाहरण है। यह प्रवृत्ति न केवल लेखकों के अधिकारों का उल्लंघन करती है बल्कि मौलिकता और रचनात्मकता को भी कमजोर करती है।

किसी अन्य लेखक के काम या विचारों का उपयोग करते समय, उचित श्रेय देना आवश्यक है। अपने स्वयं के विचारों और शैली को व्यक्त करके मौलिक लेखन को अपनाएँ, यह सुनिश्चित करें कि हिंदी साहित्य में नए दृष्टिकोण और रचनात्मकता पनपे। दूसरों के काम की अनजाने में नकल करने से बचें। हिंदी लेखकों को अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा के लिए अपनी रचनाओं के लिए कॉपीराइट सुरक्षित करना चाहिए। साहित्यिक नैतिकता को बनाए रखें, और लेखकों और पाठकों दोनों को मौलिकता की वकालत करते हुए साहित्यिक चोरी के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। साहित्यिक चोरी के खिलाफ लड़ाई में आलोचक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अफसोस की बात है कि प्रकाशन उद्योग में कई संपादक साहित्य की बारीकियों को पूरी तरह से नहीं समझ पाते हैं। ऐतिहासिक संदर्भ की समझ की यह कमी इस मुद्दे की विडंबना को और बढ़ा देती है। मौलिक साहित्यिक कृतियों का प्रभावी ढंग से मूल्यांकन करने के लिए, स्तंभों या पत्रिकाओं के संपादक के रूप में काम करने वाले किसी भी व्यक्ति के पास साहित्य में मजबूत आधार और ज्ञान होना चाहिए। हिंदी साहित्य में साहित्यिक चोरी और कॉपी-पेस्ट की बढ़ती समस्या चिंताजनक है, लेकिन इससे निपटने के लिए प्रभावी उपाय किए जा सकते हैं। साहित्य की विशिष्टता को बनाए रखने और लेखकों के अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूकता को बढ़ावा देना और नैतिक मानकों का पालन करना आवश्यक है। साहित्यिक कृतियों में मौलिकता सुनिश्चित करके हम हिंदी साहित्य के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। साहित्यिक चोरी लेखकों की ईमानदारी को कमजोर करती है और साहित्यिक रचनाओं की प्रामाणिकता को कम करती है। साहित्यिक दुनिया में नवाचार को बढ़ावा देने और स्वतंत्र अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए मौलिकता को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। इसलिए, सभी लेखकों को नैतिक प्रथाओं को बनाए रखते हुए अपने काम को रचनात्मक और मौलिक बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

होली के अब बदरंग होते रंग

होली आ गई। इस त्यौहार के बारे में सोचते ही तरह-तरह के गाने कानों में गूंजते रहते हैं। अमिताभ बच्चन की आवाज में ह्यरंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे या कि आज बिरज में होली रे रसिया फाल्गुन का महीना शुरू होते ही होली की आहट सुनाई देने लगती है। जिस ब्रज प्रदेश से आती हूं वहां की होली के तो कहने ही क्या। मथुरा-वृंदावन में रंगों के साथ-साथ फूलों और दही की होली भी खेली जाती है। यह उत्सव 7 दिन चलता है। बरसाने की लट्ठमार होली को तो दूर-दूर से लोग देखने आते हैं। बचपन में गांव-गांव होली के हुरियारे घरों की स्त्रियों को गुलाल लगाने और उन पर रंग डालने के लिए उद्धत रहते थे और महिलाएं हाथों में कपड़ों से बने कोड़े थामे रहती थीं। एक तरह से प्रतियोगिता होती थी कि कौन रंग लगाता है, कौन कोड़े खाता है। सब कुछ हास-परिहास से भरा हुआ। कीचड़ की होली भी खूब होती थी। रंगों की होली से एक दिन पहले पूजा वाली होली होती थी। लकड़ी, उपले और जो मिला उससे होली सजाई जाती थी। दिलचस्प यह होता था कि यदि किसी की लकड़ी की बुनी चारपाई मिल गई तो उसे भी होली के हवाले कर दिया जाता था। इसलिए इस दौरान अपने घरों की चारपाइयों और उपलों को घर के भीतर ही रख दिया जाता था क्योंकि इस अवसर पर न किसी से कोई शिकायत की जाती थी न ही कोई शिकायत सुनता था। सब कुछ आनंद और मजे के लिए था। घरों में गोबर की गूलरियां महीने भर पहले बना-बनाकर सुखा ली जाती थीं और आंगन में छोटी होली जलती थी। गांव भर के लोग गेहूं की बालियां लेकर घर-घर जाते थे। उन्हें भूनकर खाने का रिवाज था। जिस घर में कोई शोक हुआ, उस बहाने नवान्न देकर, इस अवसर पर उस घर का शोक भी उठाया जाता था यानी कि शोक अब विदा हुआ। फिर से जीवन की गति और आनंद में शामिल हो जाओ। यह नवान्न यानि कि अब उपयोग के लिए नया अन्न आ गया और सबके घर धन-दधान्य से भरे रहें। वैसे भी कृषि समाजों में उत्सवों की टाइमिंग वही है, जब खेतों में फसल तैयार होती है, खेतों में कोई खास काम नहीं होता और लोगों के पास आम तौर पर उत्सव मनाने के लिए समय होता है। इस अवसर पर घरों में तरह-तरह के पकवान बनते थे। गुझिया, नमकीन, कांजी, दही बड़े और दिलचस्प यह है कि हर घर में बने पकवानों का स्वाद अलग। शाम को सबके घरों में होली मिलन के लिए जाया जाता था और इन पकवानों का आनंद लिया जाता था। यही भारतीय खान-पान की विशेषता भी है। फाल्गुन शुरू होते ही शाम के वक्त आंगन में आटे का चौक पूरकर उसे सत्यानाशी के पीले फूलों से सजाया जाता था। फिर ढोलक पर फाग गाया जाता था। इसमें मोहल्ले भर की स्त्रियां इकट्ठी हो जाती थीं। खूब गाना-बजाना, नाच भी होता था। एक तरह से ये स्त्रियों के मनोरंजन और अभिव्यक्ति का उत्सव भी था। अब वक्त बदल गया है। जो पकवान घरों में बनते थे, सबके सब बाजार में उपलब्ध हैं। महानगरों में कामकाजी महिलाओं के पास इतना समय भी नहीं कि वे इन सबको घर में बना सकें।

वृद्धजनों को वृद्धाश्रम ही क्यों?.....

-विक्रम दयाल

घर से निकाले गये असहाय, घर से बेदखल किये गये लाचार वृद्ध माता-पिता, तथा ऐसे ही अनेको वृद्धों को पनाह देने वाली सामाजिक संस्था जिनमें वृद्धजनों को सहारा देकर उ

अवैध तरीके से रह रही बांग्लादेशी महिला को क्राइम ब्रांच के टीम ने किया गिरफ्तार

- तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशी मीरा पुलिस थाने के अंतर्गत अवैध तरीके से रहकर एक बांग्लादेशी महिला ने मीरा रोड के लॉजिंग बोर्डिंग में देहव्यापार का घिनौना कारोबार कर रही थी। पुलिस ने उक्त महिला काशीमीरा के म्हाडा बिल्डिंग में अवैध तरीके से रह रही जिसे गिरफ़्तार किया गया। आज MBVV पोलीस आयुक्तालय, AHTC के सीनियर PI देवीदास हंडोरे, को गुप्त सूचना मिली थी की , मीरा रोड ईस्ट, काशीमीरा पोलिस स्टेशन की हद में पांडुरंगवाडी , डेल्टा म्हाडा बिल्डिंग के पास एक बांग्लादेशी महिला बिना पासपोर्ट और वीजा के अवैध तरीके से रह रही हैं। फिर AHTC के सीनियर PI देवीदास हंडोरे, और AHTC भाईदर की टीम ने पांडुरंग वाडी, डेल्टा गार्डन म्हाडा बिल्डिंग के एक रूम में छापा मारकर एक बंगलादेशी महिला और उसको भाड़े पर रूम में आश्रय देने वाले एक पुरुष (भारतीय) को गिरफ्तार किया। बांग्लादेशी महिला मीरा रोड के कौन कौन से लॉजिंग बोर्डिंग में देहव्यापार का काम करती थी और कौन कौन दलाल और वेटर इस बंग्लादेशी महिला से देहव्यापार करवाते थे पोलिस की टीम उसकी भी जांच पड़ताल कर रही है।

गिरफ्तार बांगलादेश की महिला विगत 7 साल पहले बंगलादेश से अवैध तरीके से भारत में आकर मीरा रोड में रह रही थी। इस बंग्लादेशी महिला के पास बंगलादेश की नेशनल ID कार्ड और भारत का इलेक्शन कार्ड व पैनकार्ड भी क्राइम ब्रांच की टीम ने जब्त कर लिया है। बंग्लादेश की महिला को पैनकार्ड ओर इलेक्शन कार्ड (वोटिंग कार्ड) किसने बनाकर दिया उसकी भी जांच पड़ताल क्राइम ब्रांच की टीम कर रही है। अब क्राइम ब्रांच की टीम गिरफ्तार बांग्लादेशी महिला अैर एक पुरुष के उपर पासपोर्ट एक्ट और विभिन्न BNS की धाराओं के तहत कानूनी कारवाई कर रही है। इस तरह यह कारवाई MBVV आयुक्तालय के वरीष्ठ अधिकारियो और क्राइम ब्रांच के DCP अविनाश अंबुरे, (IPS) और ACP मदन बल्लाल, के मार्गदर्शन में AHTC के सीनीयर PI देवीदास हंडोरे, PSI प्रकाश तुपलोंढे, ASI C मेश पाटील , अनिल पवार, राजू भोइर, राजाराम आसावले, रामा पाटील, शिवाजी पाटील, HC किशोर पाटील, सम्राट गावडे, म.पो. HC निशीगंधा मांजरेकर, PC किशोर शिंदे , चेतन राजपुत , WPC तृशा कटकधोंड और AHTC भाईदर वेस्ट की टीम ने सयुंक्त रूप से कारवाई की।

उत्तर भारतीय संघ द्वारा रंगारंग होली का भव्य आयोजन

मुंबई। होली पर्व के सामाजिक समरसता के महत्त्व को रेखांकित किये बिना यह चर्चा अधूरी रहेगी. होली एकमात्र ऐसा त्योहार है जिसमें लोगों के बीच ऊंच- नीच, छोटे- बडे का कोई भेद भाव नहीं रहता. सभी जाति और वर्ग के लोग मिल जुल कर इस पर्व को मनाते हैं. नर और नारी दोनों मिलकर इस अनुपम त्योहार को उत्साह पूर्वक सार्वजनिक रूप से मनाते हैं. विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी उत्तर भारतीय समाज की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी संस्था उत्तर भारतीय संघ द्वारा 14 मार्च को शाम 6 बजे बांद्रा पूर्व स्थित उत्तर भारतीय संघ भवन में ठंडई और प्रीति भोज के साथ रंगारंग सांस्कृतिक होली व लोकगीत का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है। संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह , महामंत्री देवेंद्र तिवारी तथा सभी पदाधिकारियों ने लोगों से इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

इंदिरा गांधी चौक नामफलक का उद्घाटन समारोह संपन्न

मुंबई। मुलुंड प. के बाल राजेश्वर रोड (वैशाली नगर बस स्टाप) एवम घाटी पाडा रोड जंक्शन को देश की पुर्व प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी चौक नाम दिये जाने की मांग पुर्व महापौरस्व.आर.आर. सिंह ने दशकों पुर्व मुंबई मनपा से किया था।वह पास होकर मनपा की फाइलों तक सीमित हो गया था। राकेश शेट्टी (प्रवक्ता महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस) के द्वारा अथक परिश्रम एवम अजय पाटने (सहायक आयुक्त टी वार्ड)के सहयोग से चौक पर नामफलक लगाया गया। इंदिरा गांधी चौक नामफलक का उद्घाटन दिनांक 13.3.25 को दोपहर 11बजे राकेश शेट्टी (प्रवक्ता महाराष्ट्र कांग्रेस) के द्वारा नारियल फोड़कर एवम श्रीमती इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. बाबूलाल सिंह, साहब दयाल सिंह, राजन उटवाल, भगवान किशोर तिवारी, प्रकाश जैसवाल, डॉ.सचिन सिंह, बलदेव सिंह खोखर, संतोष सिंह (अध्यक्ष मुलुंड कांग्रेस सेवादल), नीता जोशी (अध्यक्ष मुलुंड महिला कांग्रेस), महिला कांग्रेस नेता अश्विनी पोचे, अल्का सावला, कमला यादव, प्रदीप सिंह, रईस खान, शरीफ खान, विपुल गोगरी, नूर मोहम्मद, जब्बार शेख, कृष्णा विश्वकर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राजेश विक्रांत को छत्रपति शिवाजी महाराज राष्ट्रीय एकता पुरस्कार

मुंबई। जाने माने पत्रकार व लेखक राजेश विक्रांत को महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी का प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय जीवन गौरव सम्मान छत्रपति शिवाजी महाराज राष्ट्रीय एकता पुरस्कार दिया जाएगा। मंगलवार 18 मार्च को शाम 6 बजे से बांद्रा पूर्व के रंग शारदा में आयोजित समारोह में उन्हें इस पुरस्कार के तहत स्मृति चिन्ह व 1 लाख रुपए की नकद राशि दी जाएगी। 1 जनवरी, 1965 को उत्तर प्रदेश के अमेठी के एक गांव डिगरिहन का पुरवा में जन्में विक्रांत जी ने कर्मभूमि मुंबई में 1990 से स्वतंत्र रुप से लेखन और पत्रकारिता की शुरूआत की। विविध विषयों पर देशभर की 50 से अधिक पत्र-पत्रिकाओं में अब तक उनके 15,000 से भी ज्यादा लेख प्रकाशित हो चुके हैं। वे पत्रकारिता कोश व मीडिया डायरेक्टरी के सहायक संपादक तथा विकलांग की पुकार और गऊ भारत भारती के प्रबंध संपादक हैं।

व्यंग्य लेखन में विशेष रूचि रखने वाले विक्रांत जी को उनकी पुस्तक ₹बतरस₹ के लिए महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा आचार्य रामचंद्र शुक्ल व्यंग्य पुरस्कार₹ से सम्मानित किया गया है। उनके प्रकाशित कार्यो में सत्संग सार (संपादन-2001), मुंबई में एक और समंदर (संपादन-2005), कथा पुष्पांजलि (मराठी से हिंदी में अनुवाद-2012), हास्य से पगी यादें (मराठी से हिंदी में अनुवाद-2012), मुंबई माफियाः एक एन्साइक्लोपीडिया (मराठी से हिंदी में अनुवाद-2012), श्रीमत परमहंस अद्भुत चरित (संपादन-2013), महामंडलेश्वर विश्वेश्वरानंद गिरिजी महाराज गौरव ग्रंथ (सह-संपादन), अवधी ग्रन्थावली, खण्ड 6 शब्दकोश (संपादन मण्डल सदस्य), बतरस (2015), आमची मुंबई- 2019, अमेठी के मुंबईकर- 2019, कोरोना-डाउन-2021, आजादी की लड़ाई में मुंबई का योगदान (आचार्य पवन त्रिपाठी के साथ सह लेखन-2022), स्वातंत्र्य लढ्यातील मुंबईचे योगदान (आचार्य पवन त्रिपाठी के साथ सह लेखन, मराठी, 2024) तथा मुंबई और हिंदी (दीनदयाल मुरारका के साथ सह लेखन, 2024) प्रमुख है। इसके साथ ही उनकी 3 अन्य पुस्तकें प्रकाशकाधीन हैं- आमची मुंबई-2, रोम- रोम में रामः मुंबई में रामलीला के भगीरथ कर्मवीर पंडित शोभनाथ मिश्र की जीवन गाथा तथा दृश्य संचार। विक्रांत जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अभय मिश्र द्वारा संपादित पुस्तक ₹राजेश विक्रांतः व्यक्ति एक व्यक्तित्व अनेक₹ का अक्टूबर 2015 में ₹विकलांग की पुकार₹ द्वारा प्रकाशन हुआ है। वे परम पूज्य स्वानन्द बाबा सेवा न्यास, श्रुति संवाद साहित्य कला अकादमी, लोकायन, प्रेम शुक्ल फाउंडेशन, अवधी सम्मेलन, आशीर्वाद, अमेठी चैरिटेबल ट्रस्ट एवं वाजा इंडिया आदि संस्थाओं से संबद्ध हैं।

विरार में भाजपा कोंकण महोत्सव सम्पन्न

वसई रोड(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार जिला अनुसूचित जाति मोर्चा, अटल उत्सव समिति और दिलीप गायकवाड़ ने भव्य 'कोकण महोत्सव 2025' का आयोजन विरार पूर्व मनवेल पाड में किया गयार। कोंकण की समृद्ध संस्कृति का जश्न मनाने वाले इस त्यौहार को नागरिकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। इस बार बुआ प्रकाश पारकर के पारंपरिक भजनों का जंगी समान कार्यक्रम बड़े ही भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, आयोजक दिलीप गायकवाड, प्रसाद पाटिल, बिजेंद्र कुमार, अंशुमन ठाकुर, महेश नर, महेश गुरव, सतीश भोंडवे, अशोक हेलगांवकर, भीमलाल सिंह, अक्षय ठाकुर सहित बड़ी संख्या में नागरिक, महिलाएं एवं भाई-बहन उपस्थित रही।

भिवंडी में 10 अप्रैल से होगा भिवंडी ओलंपिक 2025 का भव्य शुभारंभ

भिवंडी । भिवंडी के इतिहास में पहली बार खेलों का महाकुंभ भिवंडी ओलंपिक 2025 का 10 अप्रैल से शुरू होगा जिसका समापन 21 अप्रैल को होगा । बतादें कि भिवंडी में 12 दिनों तक चलने वाले इस ओलंपिक में 25 खेलों को समाहित किया गया है जिसमें क्रिकेट , भाला फेक , चेस , तैराकी , कुश्ती , कराटे , दौड , वेट लिफ्टिंग , कबड्डी , नृत्य , खो खो , बैडमिंटन आदि 25 खेलों का शामिल किया गया है जो भिवंडी के स्व. परशुराम स्टेडियम धोबीतलाव के अलावा अंजूरफाटा स्थित टफ व अन्य जगहों पर आयोजित किया गया है । उक्त ओलंपिक का आयोजन पायनियर स्पोर्ट्स क्लब , मीत स्पोर्ट्स क्लब , उस्मानिया स्पोर्ट्स क्लब , अंजुमन स्पोर्ट्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न किया जायेगा । उक्त जानकारी अल्ताफ इमामुद्दीन शेख (बाली) एवं मुख्य सहयोगी भिवंडी पश्चिम विधानसभा के भाजपा विधायक महेश चौगुले द्वारा उनके जनसंपर्क कार्यालय सिटी सेंटर बिल्डिंग में पत्रकार परिषद में दी गयी ।

अर्जुन इंगोले का जन्मदिन मनाया गया

वसई रोड(उत्तरशक्ति)। वसई रोड मंडल मध्यवर्ती कार्यालय में वसई मंडल एस सी मोर्चा अध्यक्ष अर्जुन इंगोले का जन्मदिन धूमधाम मनाया गया। जिसमें मंडलाध्यक्ष महेश सरवनकर ने पुष्प गुच्छ देकर और केक खिलाकर जन्मदिन पर लंबी आयु की शुभेच्छा दिया। सभी मेहमान पदाधिकारी कार्यकर्ता ने भी शुभ कामना दिया। चंद्रशेखर धुरी के साथ में कल्पेश चौहान, सविनय मालिक, मनोज शर्मा, लालजी कनौजिया, नागेश हेबले, बबीता शर्मा, चिटनिस दीपक शर्मा ने भी लंबी आयु की शुभ कामना दिया। विशेष पदाधिकारी मंडल चिटनिस दीपक शर्मा ने पुष्प गुच्छ और केक खिलाकर जन्मदिन पर लंबी आयु की शुभेच्छा दिया।

मुंबई पुलिस ने डेढ़ महीने के बच्चे के अपहरण का मामला सुलझाया, चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

मुंबई। मुंबई पुलिस ने एक डेढ़ महीने के बच्चे के अपहरण का मामला सुलझा लिया है। चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। ये सभी मालवणी से पकड़े गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने बच्चे को 5 लाख रुपये में बेचने की योजना बनाई थी। यह घटना 2 मार्च को गोरेगांव पूर्व के वनराई पुलिस स्टेशन क्षेत्र में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के पास हुई थी। 2 मार्च की सुबह करीब 4 बजे एक गुजराती परिवार का 2 महीने का बच्चा गायब हो गया। परिवार उस वक्त वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर स्थित बस स्टैंड के पास सो रहा था। अचानक बच्चा उनके पास से गायब हो गया। परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी। डीसीपी स्मिता पाटिल के नेतृत्व में छह टीमें बनाई गईं। पुलिस ने लगभग 11,000 ऑटो रिक्शा की जांच की। इस दौरान एक पीला जैकेट पहने ऑटो चालक संदिग्ध पाया गया। पुलिस को पता चला कि यह ऑटो घटनास्थल से मालवणी की तरफ गया था। ऑटो चालक से पूछताछ में पता चला कि कुछ दिन पहले उसके घर में एक बच्चा आया था। जांच में पता चला कि आरोपी राजू मोरे की दो पत्नियां हैं। पहली पत्नी मंगल मोरे के कोई बच्चा नहीं था। वह कई सालों से बच्चा न होने के कारण परेशान थी। राजू की दूसरी पत्नी फातिमा शेख 5 लाख रुपये में बच्चा गोद लेना चाहती थी। गोद लेने की प्रक्रिया महंगी होने के कारण राजू ने बच्चा चुराने की योजना बनाई। उसने तीन दिन तक वनराई के वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के पास रेकी की। जब परिवार सो रहा था, तब राजू ने ऑटो की मदद से बच्चे को चुरा लिया और भाग गया। इस घटना में राजू मोरे, उसकी पत्नी फातिमा शेख और उनके कुछ साथी शामिल थे।

डीसीपी स्मिता पाटिल ने बताया कि पुलिस ने 11,000 ड्राइवरों के डेटा की जांच की। इसके बाद संदिग्ध चालक की पहचान हुई। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि बच्चे को चुराकर बेचने का इरादा था। 5 लाख रुपये में सौदा तय हुआ था। मुख्य आरोपी राजू मोरे और उसकी पत्नी फातिमा शेख के अलावा अन्य आरोपी भी गिरफ्तार किए गए हैं। डीसीपी ने कहा कि पुलिस आगे की जांच कर रही है। नई जानकारी मिलने पर उसे साझा किया जाएगा।

पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है। राजू मोरे और उसकी पत्नी के पिछले अपराधों की जानकारी जुटाई जा रही है। यह एक गंभीर मामला है जो दशार्ता है कि कुछ लोग पैसों के लिए कितनी दूर तक जा सकते हैं। एक मासूम बच्चे की जिंदगी खतरे में डाल दी गई। पुलिस की तत्परता से बच्चा सुरक्षित मिल गया। यह घटना समाज के लिए एक चेतावनी है। हमें बच्चों की सुरक्षा के प्रति अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

दुर्लभ धातुओं में 17 खनिजों का समूह शामिल

मुंबई। दुर्लभ धातुओं की खोज आज की दुनिया में युद्ध और शांति का निर्धारण करेगी। दुर्लभ धातुओं में 17 खनिजों का समूह शामिल है, जिनके बिना आपके पास स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी या कोई भी आधुनिक टेक्नोलॉजी नहीं होगी। वर्तमान में चीन दुनिया के दुर्लभ धातुओं की आपूर्ति के 70 फीसदी का नियन्त्रण करता है।

यही कारण है कि यूएस के राष्ट्रपति ट्रम्प रूस के साथ युद्ध खत्म करने की रणनीति के तहत युक्रेन के साथ मिनरल डील कर रहे हैं। कोंगो के राष्ट्रपति भी अमेरिका को सुरक्षा के बदले में मिनरल्स का एक्सेस ऑफर कर रहे हैं।

जीआरसी स्कूल के प्रांगण में अहंकार, भ्रष्टाचार का अनोखा होलिका दहन

कल्याण । कल्याण के पिसवली स्थित जीआरसी स्कूल प्रांगण में अनोखे तरीके से होलिका दहन कार्यक्रम विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा मनाया गया जिसमें बुराई पर सच्चाई की जीत की खुशी व रंगो के इस त्योहार पर विद्यार्थियों ने अहंकार , भ्रष्टाचार , बेईमानी आदि की पट्टिका पर श्लोगन लिखकर होलिका जलाई । बतादें कि रंगों और खुशियों का त्योहार होली पूरे भारत में धूमधाम से मनाया जाता है लेकिन विद्यार्थियों द्वारा यह संदेश दिया जाना इंसानियत व मानवता के लिए बड़ा संदेश है । विद्यार्थियों द्वारा दिया गया संदेश सिर्फ रंगों की बौछार नहीं , बल्कि बुराई पर अच्छाई की जीत और सामाजिक एकता का प्रतीक है । यहीं संदेश देने के मकसद से कल्याण के पिसवली में स्थित जीआरसी हिंदी हाई स्कूल के प्रांगण में अनोखे तरीके से होलिका दहन किया गया । होलिका दहन में अहंकार, द्वेष, ईर्ष्या, भ्ष्टार्चार, बेईमानी, क्रोध और समाज में फैली नकारात्मक ऊर्जा की होली जलाई गई । स्कूल संस्था के सचिव डा.जयप्रकाश शुक्ला ने विद्यार्थियों को होलिका दहन का धार्मिक , आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व समझाया । पूरे रीतिरिवाज व मंत्रोपचार द्वारा पूजा संपन्न कराई गई । इस अवसर पर समाज उद्धार समिति के संचालक बबन चौबे , जय गणेश पतपेढ़ी के संचालक निशाकांत मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। होलिका दहन के उपरांत स्कूल की शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने होली खेलने का खूब आनंद लूटा । सभी ने एक-दूसरे को रंग लगाकर , संगीत और नृत्य के साथ होली के इस पर्व को उल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर जीआरसी हिंदी हाई स्कूल की प्रिंसिपल पुष्पा जयप्रकाश शुक्ला, शिक्षिका वर्षा पाटिल, सीमा पाठक, अदिति भोईर , नीतू सिंह के साथ शिक्षक करण पाल आदि लोग उपस्थित थे।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ओर से दहानू में डी.पी.एस.एस. व एम.आर.ओ. कार्यक्रम आयोजित

-अजीत सिंह

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारतीय रिजर्व बैंक के डी.डी.पी.एस. व एम.आर.ओ. (डिपार्टमेंट ऑफ पेमेंट एण्ड सेटलमेंट सिस्टम्स तथा मेंटेनेंस, रिव्यू एंड ऑप्टिमाइजेशन) एवं महाबैंक कृषि संशोधन व ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान पुणे बैंक ऑफ महाराष्ट्र पुरस्कृत तथा जिला अग्रणी बैंक के संयुक्त तत्वावधान में पालघर जिले के दहानू तहसील अंतर्गत ग्रुप ग्राम पंचायत कासा के महसूल गांव घोल में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले का अभिवादन कर जिला परिषद विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत के साथ की गई। इस अवसर पर ग्रुप ग्राम पंचायत कासा घोल भराड की सरपंच सुनीता कामडी,पूर्व सरपंच व ग्राम पंचायत सदस्य रघुनाथ गायकवाड, सुदाम कदम, वैशाली तांडेल, कैलाश तांडेल, सुधीर धांगडा, मंगेश विघ्ने, संतोष कदम, पूर्व ग्राम पंचायत सदस्या सुप्रिया कदम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ती रमा पासारे, जिला परिषद विद्यालय के मुख्याध्यापक व शिक्षक, घारपुरे कृषि सेवा केंद्र कासा संचालक व वकील सुनीता घारापुरे के अलावा घोल गांव के किसान, बचत समूह की महिलाएं व जिला परिषद विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में डिजिटल पेमेंट प्रणाली को सुधार करने, सुरक्षा उपाय योजना और नवीन तंत्रज्ञान संधि पर चर्चा की गई। ग्राम स्तर पर आर्थिक समावेश बढ़ाने हेतु डिजिटल पेमेंट की सुरक्षा, लेन-देन सुलभता और ग्राहक संरक्षण संबंधी जनजागृति किया गया। कार्यक्रम के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से आकाश देशमाने व अमलजीत कृष्णन मार्गदर्शक के तौर पर उपस्थित रहे। उन्होंने मार्गदर्शन करते हुए कहा कि आरबीआई डिजिटल वित्तीय लेनदेन को अधिक सुरक्षित और आसान बनाने के लिए लगातार सुधार कर रहा है। डी.पी.एस.एस., एम.आर.ओ. उपक्रम के तहत स्थानीय स्तर पर डिजिटल पेमेंट के उपयोग को बढ़ावा देगा। इस उपक्रम के माध्यम से स्थानीय व्यापारियों, किसानों व नागरिकों को डिजिटल भुगतान के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम में जिला अग्रणी बैंक के प्रबंधक विशाल वाघ, शाखा प्रबंधक कासा अनिल जांगिड, बैंक मित्र विनोद पासारे, दिनेश मांढेर व आरसेटी फैकल्टी के रणजीत तारु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन वित्तीय साक्षरता अधिकारी उज्वला कोकणे ने किया। उज्वला कोकणे ₹वित्तीय समझदारी, समृद्ध नारी₹ पर आधारित सभी उपस्थित जनों को साक्षरता विषय पर मार्गदर्शन किया तथा पैसे का नियोजन करने, भविष्य के लिए परिवार के लोगों को बीमा पॉलिसी कितना महत्वपूर्ण है ?इस विषय पर मार्गदर्शन करते हुए उपस्थित सभी ग्रामस्थों से बीमा पॉलिसी का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में पूर्व ग्राम पंचायत सदस्या सुप्रिया कदम ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वसई में राशन के लिए तहसीलदार को दिया आवेदन

वसई रोड(उत्तरशक्ति)। वसई रोड में राशन की दुकानों पर सील लगने से जनता में परेशानी बढ़ गई है। इसे देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला सचिव मनोज शर्मा से शिकायत की गयी है। मनोज शर्मा ने एक पत्र तहसीलदार को दिया, और जरूरी वैकल्पिक व्यवस्था जल्द से जल्द करने की मांग की गयी। उनके साथ में भाजपा वसई मंडल सचिव नागेश हेबले, सविनय मलिक, कंचन सोनी, रवि शेट्टी, बबीता शर्मा ने तहसीलदार अविनाश कोस्टे को बताया कि लोगो की फरवरी, मार्च का राशन की परेशानी दूर करने का और लोगों की अनाज की तंगी दूर करने की जरूरी कार्यवाही किया जाय।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मीरा भायंदर के नए आयुक्त से मिले विधायक नरेंद्र मेहता

मीरा-भाईंदर। मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के नवनियुक्त आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद शर्मा से सदिच्छा भेट नरेंद्र मेहता मीरा भायंदर विधायक ने किया। मीरा-भाईंदर महानगरपालिके के नवनियुक्त आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद शर्मा से उनके प्रशासनिक कार्यालय में भेंट की। इस अवसर पर उनकी नियुक्ति पर उन्हें शुभकामनाएं प्रदान कीया और अब मीरा-भाईंदर महानगरपालिका प्रशासन की जिम्मेदारी उनके जिम्मे है। वे इसे पूरी निष्ठा और कुशलता से संभालेंगे, ऐसा हमे पूर्ण विश्वास हैं सभी ने जताया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष किशोर शर्मा, पूर्व उपमहापौर हसमुख गेहलोत, भाजपा के सभी पूर्व नगरसेवक समेत कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

कार की चपेट में आने से बाइक सवार मां और अबोध बालक की मौत, दो घायल

भदोही(उत्तरशक्ति)। कोतवाली के गिराई के पास वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर बुधवार की सुबह कार चालक ने बाइक व साइकिल सवार को टक्कर मार दी। टक्कर में डेढ़ साल के अबोध बालक समेत उसकी मां की मौत हो गई। वहीं बाइक चालक पिता और साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। टक्कर मारने के बाद भाग रहे बाइक सवार को पुलिस ने अमवा के पास से पकड़ लिया। प्रयागराज जनपद के हंडिया थाना क्षेत्र के लोकमनपुर निवासी महेश (27) पुत्र अनिल शुक्ला अपनी पत्नी आंचल (25) और डेढ़ साल के बेटे शिवाय के साथ बुधवार की सुबह बाइक से ही मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए निकले थे। बताया जा रहा है कि वे गिराई राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचे थे। इसी दौरान हादसा हो गया प्रयागराज से वाराणसी की तरफ जा रही तेज रफ्तार कार एक साइकिल सवार को टक्कर मारते हुए इनकी बाइक में भी जोरदार टक्कर मार दी। घटना में साइकिल सवार किशुनदेवपुर निवासी प्रदीप मौर्या (26) समेत बाइक सवार पति-पत्नी और उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। जिससे तीनों हाईवे के बगल में स्थित नाले में गिर गए। घटना के बाद डेढ़ वर्षीय शिवाय की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल पति-पत्नी को वाराणसी ट्रामा सेंटर और साइकिल सवार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस बीच ट्रामा सेंटर में उपचार के दौरान महिला की भी मौत हो गई। टक्कर मारने के बाद कार चालक भागने लगा। जिसे पुलिस ने अमवा के पास से पकड़ लिया। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि शिवाय पति-पत्नी का इकलौता बेटा था। तीन दिन पूर्व ही मां विंध्यवासीनी मंदिर पर उसका मुंडन हुआ था। बुधवार को पति-पत्नी दोबार दर्शन को जा रहे थे। मृतक मां का पोस्टमार्टम वाराणसी में ही कराया गया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गंजारी में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का किया निरीक्षण

युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर कार्य को तय समयसीमा में पूर्ण कराए जाने का अधिकारियों को दिया निर्देश

सीएम योगी ने स्टेडियम में कार्य कर रहे इंजीनियर, एवं विभिन्न स्थानों से आए श्रमिकों से भी की वार्ता

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंजारी में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निरीक्षण कर युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर कार्य को तय समयसीमा में कार्य पूर्ण कराए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान अधिकारियों ने स्टेडियम के निर्माण कार्य के प्रगति के संबंध में विस्तार से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। स्टेडियम में कार्य कर रहे इंजीनियर, अन्य कर्मियों एवं विभिन्न स्थानों से आए एवं कार्य कर रहे श्रमिकों से भी मुख्यमंत्री ने वार्ता की। मुख्यमंत्री दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को वाराणसी पहुंचे। वाराणसी के बाबतपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर पहुंचने के बाद उन्होंने पहले गंजारी में 451 करोड़ रुपये की लागत से कुल 30.66 एकड़ क्षेत्र में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने स्टेडियम के ड्रेनेज, सड़क कनेक्विटी आदि सिस्टम की जानकारी ली। इस निमार्णाधीन क्रिकेट स्टेडियम में

30000 लोग बैठकर मैच देख सकेंगे। बताते चलें कि गंजारी क्रिकेट स्टेडियम के बन जाने पर उत्तर प्रदेश ही नहीं बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ियों के हुनर को निखारने का यह सबसे बड़ा केंद्र होगा। राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ बैडमिंटन, टेबल टेनिस, तैराकी की भी सुविधा यहां होगी। उत्तर प्रदेश में कानपुर और लखनऊ के बाद यह तीसरा स्टेडियम होगा, जहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 23 सितंबर को राजातालाब के गंजारी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया था। निरीक्षण के दौरान उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन समन्वय मंत्री अनिल राजभर, स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, आयुष एवं खाद्य सुरक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ दयाशंकर मिश्र 'दयालु', जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, महापौर अशोक तिवारी, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, एमएलसी धर्मेंद्र सिंह, विधायक सुनील पटेल सहित कमिश्नर कौशल राज शर्मा, जिलाधिकारी एस. राजलिंगम, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

चारों तरफ बरकतों की नूर में बरस रही है रमजान की फजीलत

नन्हे मुन्ने बच्चे भी कर रहे हैं हर रोज कुरान की तिलावत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुकद्दस माहे रमजान में बच्चे भी रोजा रखते

हुये मस्जिद में कुरान की तिलावत कर रहे हैं। शहर के मदरसा हनफिया स्थित नवाब साहब का अहाता की मदीना मस्जिद में नमाज के लिए लोग पहुंच रहे हैं। 6 साल से 14 साल तक के बच्चे भी इस पाक महीने में पूरी कुरान की तिलावत कर रहे हैं। उसके साथ ही दीनी मालूमात भी हासिल कर रहे हैं। एक साथ मस्जिद में बैठकर इफ्तार भी कर रहे हैं। इस मौके और मौलाना कयामुद्दीन, हाफिज मोहम्मद हसीन बच्चों को अच्छे दीनी तालिमात के साथ साथ रोजे की फजीलत से भी रूबरू करा रहे हैं। वे नाते नबी का नजराना भी बच्चों से सुन रहे हैं। मां बाप भी खुश हैं कि बच्चे अच्छी तालीम इस पाक महीने में रोजा रख कर के अल्लाह की इबादत में लगे हैं। माहे रमजान में इबादत का पुण्य बच्चों के साथ-साथ उनके मां-बाप को भी मिलता रहेगा। कुछ बच्चे हाफिज ए कुरान भी हो रहे हैं। रमजान की फजीलत चारों तरफ बरकतों की नूर में बरस रही है इस मौके पर मरकजी सीरत कमेटी के नायब सदर शकील मंसूरी ने कहा कि अल्लाह का हम बंदों के ऊपर करोड़ों एहसान हैं। उसने हमें रमजान जैसी अजीम नेमत से नवाजा है। रोजा इबादत का दरवाजा है। अगर हम किसी को बताए नहीं तो उसे इल्म नहीं होगा कि हम रोजा हैं। लिहाजा इसे शहरे रमजान यानी अल्लाह का महीना कहा जाता है।

चाय पीते ही अधेड़ को हुई खून की उलटी, अस्पताल जाते समय हुई मौत

मानी कलाँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र के मानीकला में गुरुवार को एक चाय की दुकान पर चाय पीते ही एक अधेड़ को खून की उल्टियां होने लगी। अस्पताल पहुंचने से पहले उसकी मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। उक्त गांव निवासी 55 वर्षीय पप्पू गौतम मानीकला बाजार में दोपहर बाद एक चाय की दुकान पर चाय पीने पहुंचा। दुकान पर कई लोग चाय पी रहे थे। पप्पू भी चाय लेकर पीना शुरू किया। चाय पीते ही उसे खून की उल्टियां होने लगी। उल्टियां करते देख दुकानदार समेत वहां चाय पी रहे लोग घबरा गए। आनन-फानन में एक निजी अस्पताल ले गए जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है मृतक कैंसर रोगी था। उसका वाराणसी से इलाज चल रहा था।

पत्नी की हत्या करने के बाद युवक पहुंचा थाने

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मियांपुर मोहल्ले में किराये के मकान में रह रहे एक युवक ने अपनी पत्नी का तकिया से मुंह दबाकर हत्या कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद वह खुद थाने पहुंचकर अपना जुर्म बताते हुए सरेण्डर कर दिया। यह खबर मिलते ही पूरे मोहल्ले में सनसनी फैल गयी। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रतापगढ़ जिले के कुण्डा निवासी आलोक सिंह अपनी पत्नी अल्का सिंह व एक सात वर्षीय पुत्र के साथ मियांपुर मोहल्ले में राजकुमार विन्द के मकान में बीते छह मार्च से किराये पर रहते थें। कल शाम को आलोक ने बीबी बच्चें के साथ होली के लिए बाजार से मार्केटिंग किया था। रात में दोना सामान्य थे लेकिन भोर में उसने पत्नी की हत्या करके बेटे के साथ निकल गया। दोपहर में वह लाइनबाजार थाने पर जाकर अपना जुर्म स्वीकार करते हुए सरेण्डर कर दिया। पुलिस ने कमरे का ताला तोड़कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अल्का सिंह का माइका बरसठी थाना क्षेत्र के कारो गांव में है। सूचना मिलते ही उसकी मां पुष्पा सिंह मौके पर पहुंच गयी। उन्होने बताया कि शादी के बाद से ही आलोक मेरे बेटी को मारता पीटता और प्रताड़ित करता था।

मोबाइल छिनैती करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जफराबाद,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बैजाबाद में हाइवे के पास पीपल के पेड़ के नीचे गुरुवार को मोबाइल छिनैती करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने मोबाइल सहित गिरफ्तार कर लिया। घटना का खुलासा पुलिस ने कुछ घण्टों में ही कर दिया। जलालपुर क्षेत्र के बन्दीपुर गांव निवासी सौरभ सिंह की पुत्री अमृता सिंह बुधवार को किसी कार्य से जौनपुर शहर गयी थी। वह देर शाम को ऑटो रिक्शा से वापस सिरकोनी बाजार लौट रही थी। जगदीशपुर चौराहे के पास वह अपने मोबाइल से बात कर रही थी। पीछे से बाइक से आये युवकों ने उसका मोबाइल छीन लिया। वह जब तक कुछ समझ पाती दोनो युवक बाइक सहित भाग निकले। अमृता ने घटना की सूचना थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव को दिया। उन्होंने घटना के खुलासे के लिए एसआई धनुषधारी पाण्डेय सहित अन्य टीम को लगाया। गुरुवार की सुबह मुखबिर से मिली सूचना पर धनुषधारी पाण्डेय मय फोर्स बैजाबाद स्थित पीपल के पेड़ के पास पहुंच गए। वहां पर दोनो बदमाश मिल गए।उनके पास से घटना में प्रयुक्त बाइक व महिला की लूटी गयी मोबाइल मिली। पुलिस गिरफ्तार किए गए बदमाशों शनि चौहान पुत्र रामपलट चौहान निवासी समोपुर खुर्द तथा अंकुश चौहान शिवानंद चौहान से पूछताछ करके अन्य घटनाओं के बारे में पता लगा रही है।

युवक को घोपा चाकू, महिला सहित चार घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के वीरभानपुर गांव में बुधवार की रात को एक मनबढ़ युवक के चलते मारपीट हो गयी।मारपीट में युवक को चाकू घोप दिया गया तथा एक महिला सहित चार घायल हो गए। घटना की सूचना के मिलते ही रात को पुलिस मौके पर पहुंच गयी। इस गांव के नोना बस्ती निवासी अजय कुमार पुत्र ऋषि नोना बुधवार की रात को गांव के पास स्थित ट्यूबवेल पर बैठा था। तभी उसी के पड़ोसी भाने नोना का 22 वर्षीय पुत्र रोहित वहां से निकल रहा था। अचानक अजय ने रोहित को से झगड़ा करके पीट दिया। रोहित ने अपने परिवार को घटना की सूचना दिया। उसी समय रोहित के पक्ष के लोग आकर अजय को पीट दिये।उसके बाद अजय कुमार, बृजेश कुमार पुत्र गुदरु आदि सहित कई महिला पुरूष मारपीट करने लगे।मारपीट में एक 30 वर्षीय राहुल कुमार पुत्र भाने के सीने में चाकू मार दिया गया। अनिल नोना, उसकी पत्नी मालती देवी, उसके पुत्र आशिक कुमार को भी चोट आयी। घटना की सूचना पर थानाप्रभारी विनीत राय मय फोर्स मौके पर गए।घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भिजवाया।जहां राहुल का उपचार चल रहा है तथा बाकी को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। थानाप्रभारी ने बताया कि मामूली बात को लेकर घटना हुई।एक पक्ष की तहरीर पर चार लोगों के विरुध्द मुकदमा दर्ज किया गया है।

जौनपुर के एमबीबीएस छात्र की पुणे में हत्या

खेतासराय के पाराकमाल गांव का निवासी था मो.फैसल

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुणे में डाक्टर की पढ़ाई कर रहे क्षेत्र के पाराकमाल गांव निवासी छात्र की गला काटकर हत्या कर दी गई। बुधवार को छात्र की लाश हॉस्टल के पास एक नाले में मिली। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पाराकमाल गांव निवासी मो.सालिम उर्फ गुड्डू परिवार के साथ गुजरात में रहते हैं। उनका इकलौता पुत्र 21 वर्षीय मो.फैसल पुणे के एक कालेज के हास्टल में रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा था। नौ मार्च को फैसल के गायब होने की सूचना परिजनों को

मिली। गायब होने के चौथे दिन हास्टल के निकट एक नाले में उसकी लाश मिली। लाश का पोस्टमार्टम के बाद गुजरात के वापी में रह रहे परिवार को सुपुर्द कर दिया गया। घटना की जानकारी पाराकमाल गांव में रह रहे मृतक के चाचा बब्लू, मो0 तारिक, मो0 शाहिद, अन्य परिवार के अन्य सदस्यों को हुई तो परिवार के कुछ लोग गुजरात के लिए रवाना हो गए। परिजनों की मानें तो छात्र की गला रेतकर हत्या की गई है। घटना से पूरे परिवार का रो रो कर बुरा हाल है। पूरा परिवार सदमे में है।

यूपी में पत्रकार की हत्या को लेकर राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूँ उत्तर प्रदेश के सीतापुर जनपद में एक दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी की निर्मम हत्या को लेकर पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त है। इस घटना के विरोध में राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के पदाधिकारियों ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिला अध्यक्ष तामीर हसन शीबू और जिला प्रभारी शशिकांत मौर्य के नेतृत्व में सैकड़ों पत्रकारों ने मड़ियाहूँ में पहुंच कर अपर जिला अधिकारी (एडीएम) को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से हत्या के दोषियों को फांसी की सजा दिलाने और पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की गई। इस दौरान परिषद के पदाधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि तीन दिनों के भीतर मांगें पूरी नहीं की गईं तो परिषद राष्ट्रीय स्तर पर धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होगी। जिसकी पूरी जिम्मेदारी

सरकार की होगी। पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग पत्रकारों ने इस अवसर पर सरकार से जल्द से जल्द पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग करते हुए कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला उपाध्यक्ष इजहार हुसैन, संजय सिंह, इम्तियाज अहमद, जिला महासचिव मनीष श्रीवास्तव, अनवर हुसैन, रियाजुल हक, जिला सचिव रवि केसरी, आबिश इमाम, मोहम्मद असलम संगठन मंत्री कलीम सिद्दीकी, आई टी सेल प्रभारी मोहम्मद अल्ताफ, सदस्य मोहम्मद हारून, विधिक सलाहकार अमित तिवारी, तहसील प्रभारी राहुल गुप्ता, तहसील अध्यक्ष रवि सिन्हा, महासचिव अभिषेक पटेल, कपिल देव सिंह, गंगेश निगम, उपाध्यक्ष हिमांशु विश्वकर्मा, रोहित पटेल, सोनू गुप्ता, सिकंदर भारती, कोमल यादव, आशीष मौर्य, रोहित मिश्रा सहित कई पत्रकार उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर सरकार द्वारा ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।

भेदभाव के खिलाफ शिवदयाल चौरसिया ने किया संघर्षः विनोद कुमार प्रजापति

शाहगंज जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राज्यसभा के पूर्व सांसद बहुजन हितैषी बाबू शिवदयाल चौरसिया की जयंती पर विधानसभा खुटहन के

तिघरा बाजार में मनाई गई इस कार्यक्रम में चौरसिया समाज के अलावा भी तमाम समस्याओं ने अपनी बातें उनके संघर्षों को याद किया और बाबू शिवदयाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए कार्यक्रम की अध्यक्षता आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष विनोद कुमार प्रजापति के अध्यक्षता में शिवदयाल चौरसिया को याद किया गया इस अवसर पर विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखें कार्यक्रम के दौरान अबूसाद अहमद ने बताया कि बाबू शिवदयाल चौरसिया का जन्म 13 मार्च 1903 को लखनऊ के पास खारिक नामक ग्राम में हुआ था इसे अब तेलीबाग के नाम से जानते हैं इनके पिता का नाम पराग राम था श्री चौरसिया बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के रहे उन्होंने बीएससी के बाद एलएलबी की शिक्षा प्राप्त की। विनोद कुमार प्रजापति ने कहा कि वे समाज के ऐसी पुरोधा रहे, जिन्होंने शिक्षा, पिछड़ापन, छुआछूत, भेदभाव के लिए जीवन भर संघर्ष किया। हम उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास करें। लाला चौरसिया ने अपने विचार रखते हुए बताया कि बाबू शिवदयाल चौरसिया ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने सन 1929 में वकालत शुरू की वे सामाजिक भेदभाव, ऊंच-नीच के विरोधी रहे। उन्होंने पिछड़ा और अनुसूचित जाति जनजातियों के खिलाफ हो रहे भेदभाव के खिलाफ जीवन भर संघर्ष किया। जब प्रथम राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग गठन के अध्यक्ष काका कालेलकर बने तो उन्हें इस आयोग का सदस्य बनाया गया। वे पिछड़ी जातियों को एक सूत्र में बांधने के लिए हमेशा तत्पर रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में शिवदयाल चौरसिया के चित्र पर पुष्प माला अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया गया। उक्त अवसर पर शशि रजक अबूसाद अहमद मुमताज अहमद जियाउद्दीन राम प्रजापति लाल चौरसिया कृष्ण चंद्र चौरसिया धर्मराज चौरसिया आजाद सलमानी जियाउद्दीन आनंद कुमार काशी प्रसाद गुप्ता रंजीत सहित तमाम गण उपस्थित रहे।

घर से गायब नाबालिग छात्रा व युवती को पुलिस ने किया बरामद

रियाजुल हक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर स्थानीय थाना क्षेत्र के अलग अलग गांव से गायब दो लड़कियों को पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर अपहरणकर्ता के विरुद्ध कार्रवाई कर रही है। उक्त थाना क्षेत्र के एक गांव से एक नाबालिग छात्रा हाई स्कूल की परीक्षा देने घर से निकली थी छात्रा को तीन युवक बहला फुसलाकर भगा ले गए थे। दूसरी घटना नगर के एक मुहल्ले में बहला-फुसलाकर एक युवती को भगा ले गए थे। दोनों घरों के परिजनों ने अपहरणकर्ता के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस इस मामले में संभावित जगह जगह छापेमारी कर रही थी। कल मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने एक नाबालिग छात्रा को प्रयागराज व दूसरी युवती को मुंगराबादशाहपुर के ही एक गांव से बरामद कर लिया है। इस संदर्भ में पूंछे जाने पर थानाध्यक्ष विनोद मिश्र ने बताया कि नाबालिग छात्रा के अपहरण मामले में दो नामजद व कुछ अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। छात्रा व आरोपियों की तलाश में पुलिस जगह जगह छापेमारी कर रही थी। सर्विलांस के आधार पर छात्रा व युवती को बरामद कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

गोवर्धन धाम मंदिर पर हर्षोल्लास के साथ खेली होली, उड़े अबीर गुलाल

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के गोवर्धन धाम मंदिर में गुरुवार को भगवान श्री कृष्ण जी के साथ सैकड़ो की संख्या में योग करने वाले महिलाएं पुरुष उपस्थित होकर गोवर्धन धारी जी के साथ फूलों की होली खेली तत्पश्चात अबीर गुलाल की होली गोवर्धन धाम एवं नमो घाट नमस्ते किया हुए स्टैचू के पास भी खेला और सभी को होली की बधाई भी दी। इस दौरान विनोद यादव, दिनेश यादव पप्पू, पारस यादव पप्पू, अमित यादव, अशोक यादव ढूल्ली, विजय यादव, लाल बच्चन,

राजकुमार यादव, श्री प्रकाश यादव ,राजा यादव, सतीश यादव, अभय स्वाभिमानी, अनिल जायसवाल, मनोज जायसवाल, राजेंद्र सोनकर, संतलाल मौर्य, अनिल मौर्य, नंदनी यादव, सुनीता, माला, नंदनी मोदनवाल, कृष्णा, गुड़िया, तपस्या, शीला, कंचन इत्यादि लोग शामिल रहे।

अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट ने होली मिलन समारोह का किया आयोजन, होली गीतों पर खूब लगाए ठुमके

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सामाजिक धार्मिक किन्नर एव अन्य क्षेत्र में अग्रणी संस्था अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन शकुंतला पैरामेडिकल कॉलेज के हॉल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ शकुन्तला यादव, डॉ शैली निगम, केशव सिंह नागेन्द्र सिंह राधिका सिंह कंचन सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलित कर-के किया गया, कार्यक्रम में गणेश वंदना नन्ही बिटिया पिहू खरे के द्वारा प्रस्तुत किया गया। संस्था अध्यक्ष उर्वशी सिंह ने कहा कि लोक संस्कृति में शामिल होली का महत्व सबसे ज्यादा है, ऐसे पूरे भारत में होली मनाया जाता है,

लेकिन यूपी-बिहार में होली का महत्व अलग है। फागुन का महीना चढ़ते ही गांव-गांव होली गवाने लगता है। लोग पूरे महीने होली में ढोल झाल मजीरा लेकर बजाते झूमते रहते है। राजनीतिक पार्टियां भी जगह-जगह होली मिलन समारोह का आयोजन करती है। डॉ.शकुंतला यादव ने कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द का त्योहार है। इस त्योहार को बिना किसी भेदभाव के मनाना चाहिए। किसी प्रकार का हुड़दंग नहीं करना चाहिए और न किसी को जबरन रंग लगाना चाहिए। होली हमें देश की सभ्यता और संस्कृति का भी संदेश देता है। डॉ शैली निगम ने कहा कि यह त्योहार एकता का संदेश देता है। हम सभी को रंगों की तरह ही आपस में मिलजुल कर रहना चाहिए। बिट्टू किन्नर ने कहा कि हमे होली का पर्व सबसे मिलकर और बिना की नुकसान के साथ प्राकृतिक रंगों के साथ मनाये हानिकारक केमिकल्स युक्त रंगों से दूर रहे। होली मिलन समारोह हो महिलाएं भाग ना ले ऐसा हो नहीं सकता। महिलाओं की टोली ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया और एक दूसरे से रंग अबीर लगा कर बधाई दी. साथ ही होली के गीत पर खूब ठुमके लगाई। ट्रस्ट परिवार के द्वारा सभी को अंत में उपहार देकर होली के लिए बधाई दिया गया। कार्यक्रम में पायल किन्नर, रीता जायसवाल, पूनम सिंह, पूनम जायसवाल, मीना गुप्ता मीना यादव, नीतू सोनी, अर्चना सिंह, सरिता सिंह, सीमा तिवारी, कृष्णा, सुधांशु, सरोज गुप्ता, ज्ञान चंद गुप्ता, सागर सोलंकी सूरज सेठ, पिंटू गिरी, क्षमा सिंह, अंकित जायसवाल शिवांगी खरे,किरन किन्नर के साथ पैरामेडिकल स्टाप और छात्राएं भी उपस्थित रहीं।

जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर खुशियां लाने की कवायद, वैदेही सखी शक्ति समिति का रंगों में खुशी की पहल

शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। होली के त्योहार पर जरूरतमंद बच्चो के चेहरे पर मुस्कान लाने का कार्य वैदेही सखी शक्ति समिति के पदाधिकारियों ने बच्चों संग मिठाई, पिचकारी, खिलौने, मुखौटा, चिप्स, नमकीन, बाँटकर होली मनाई। उपहार पाकर बच्चे हुए खुश हुए। कार्यक्रम में वैदेही अध्यक्ष नीतू मिश्रा समाजसेविका अनुपमा अग्रहरि,बहन स्वाति अग्रहरि, बहन प्रांजला गुप्ता, रानी अग्रहरि,भाजयुमो अध्यक्ष धीरज पाटिल, जिला सोशल मीडिया प्रभारी भाजपा समाजसेवक वेद प्रकाश जायसवाल, नितिन अग्रहरि,विशाल दूबे, प्रिंस गौतम, अनुराग अग्रहरि, पंकज अग्रहरि, अरुन चौहान, मिक्की कसेरा अनुपमा अग्रहरि ने कहा होली भारत की सनातन परम्परा का प्रमुख पर्व है। नीतू मिश्रा जी ने कहा

सामाजिक समता, सौहार्द एवं उल्लास का प्रतीक यह पर्व सम्पूर्ण समाज एवं प्रदेशवासियों के लिए मंगलमय हो। धीरज पाटिल ने कहा सनातन धर्म में पर्व एवं त्योहारों की लम्बी श्रृंखला, भारत की प्राचीन गौरवशाली परम्परा का उदाहरण है होली। होली की अनन्त शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली के पर्व को सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय ढंग से मनाएं। वेद प्रकाश ने कहा कि होली का पर्व रंगों का है सभी मिलजुल कर होली खेले।

डंपर से टकराने के बाद कार के उड़े परखच्चे, एक की मौत

बलिया (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के हल्दी थाना क्षेत्र के सीताकुंड परसिया गांव के पास डंपर से टकराने के बाद एक कार के खाई में पलट जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 5 अन्य गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, कार लोगों को लेकर बलिया से बैरिया की ओर जा रही थी, तभी बुधवार रात करीब 9 बजे बलिया-बैरिया राजमार्ग पर सामने से आ रहे डंपर से उसकी टक्कर हो गई। जोरदार टक्कर के बाद कार सड़क से उतरकर खाई में पलट गई। एक अधिकारी ने बताया कि उनकी मदद के लिए स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद फहीम कुरैशी ने गुरुवार को बताया कि सभी घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जितेंद्र पटेल (32) को मृत घोषित कर दिया तथा उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए घटना की जांच शुरू कर दी है।

बेटे ने डंडे से पीट-पीट कर पिता को मार डाला

अंबेडकरनगर (उत्तरशक्ति)। नशे के आदी बेटे ने राशन के विवाद में पिता की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हंसवर थानाक्षेत्र के मोहम्मदपुर मुस्लमान गांव निवासी मिठाई लाल (64) के तीन बेटे पंकज, अनिकेश और दिनेश हैं। अनिकेश पानीपत में नौकरी करता है। मां व छोटा भाई पंकज भी उसके साथ ही रहते हैं। गांव में मंझला बेटा दिनेश कुमार (35) ही रहता है। वह शराब का आदी है। मृतक मिठाईलाल की अपने परिजनों से बनती नहीं थी। इसी चलते वह दिल्ली में अपनी बहन के घर पर रहते थे। बीते दिनों गांव में अपने स्वर्गवासी भाई दलसिंगार के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए आए थे। इस पर उनके भतीजे अंकित ने उनसे यही रुकने को कहा तो मिठाईलाल अपने भतीजे के साथ रहने लगा। बुधवार को सरकारी राशन की दुकान से गल्ला लेकर आए थे। यह बात जब दिनेश को पता चली तो वह अपने पिता के पास पहुंचा और उनसे विवाद करने लगा। दोनों के बीच में नोकझोंक शुरू हो गई। नाराज दिनेश ने डंडे से मिठाई लाल के सिर पर ताबड़तोड़ प्रहार कर मरणासन्न कर दिया। मिठाईलाल की चीखपुकार सुनकर परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। घायल मिठाईलाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी लेकर गए। हालत गंभीर देख चिकित्सक ने राजकीय मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर रेफर कर दिया। रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। भतीजे अंकित की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपी दिनेश को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्राम रोहियांव में अखण्ड संकीर्तन महायज्ञ का आयोजन संपन्न

जौनपुर (उत्तर शक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर विकास खंड सुजानगंज, पोस्ट मधुपुर ग्राम रोहियांव में अखण्ड हरिनाम संकीर्तन महायज्ञ का आयोजन अखिल भारतीय संकिर्तन मंडल के तरफ से 6 मार्च 2025 दिन गुरुवार सुबह 9 बजे से प्रारंभ होकर 13 मार्च 2025 को समाप्त हुआ। और उसी दिन दोपहर 2 बजे हवन के उपरांत महाभंडारा का आयोजन किया गया। कई सौ भक्तों ने महाप्रसाद व ब्रम्हभोज का लाभ उठाया। यह कार्यक्रम स्वर्गीय बद्री प्रसाद मिश्रा के स्मृति में रखा गया था। बद्री प्रसाद मिश्रा के बड़े पुत्र रामचंद्र मिश्रा दास जौनपुर स्थित मैहर मंदिर के हनुमान पूजारी है। पंडित रामचंद्र दास मिश्रा ने अपने पिता के यादगार में रखा था। इस सात दिवसीय अखंड महा किर्तन से ग्राम रोहियांव की धरती धन्य हो गई साथ ही साथ उस महा यज्ञ से सैदानी, ऑमाव, पांडेपुर सहित कई गांव धन्य हो गये। उन्होंने ने बताया कि सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार हेतु अखिल भारतीय संकिर्तन मंडल कार्य कर रहा है। और जगह-जगह पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। यह आयोजन क्रमशः पुत्र पंडित रामचंद्र दास मिश्रा, रामलखन मिश्रा, हरिश्चंद्र मिश्रा, कृष्ण चंद मिश्रा, पत्रकार संजय मिश्रा, अधिवक्ता सुधांशु मिश्रा, शिक्षक प्रेम शंकर मिश्रा, विजय शंकर मिश्रा, धनंजय मिश्रा, सचिन मिश्रा, बब्लू मिश्रा तथा स्थानीय लोगों के सहयोग से कार्यक्रम हो रहा था। उस शुभ अवसर पर पूर्व शिक्षक ब्रम्हदेव तिवारी, प्यारेलाल सिंह, रमाशंकर मिश्रा, विजय चंद मिश्रा, विनय कुमार मिश्रा, सुभाष चन्द्र मिश्रा, पूर्व प्रधान मनोज सिंह, ग्राम प्रधान लालचंद मौर्या, महाजन यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। यह जानकारी संजय मिश्रा ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से दी है।

सीएम योगी बोल, बिना सहमति न डालें किसी पर रंग

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर समेत समूचे प्रदेशवासियों को सामाजिक समता, उल्लास और उमंग के पर्व होली की बधाई देते हुए कहा कि पर्व, त्योहारों में निहित एकता, सद्भावना का संदेश ही सनातन धर्म की सबसे बड़ी ताकत है। प्रयागराज महाकुंभ में सनातन धर्म की इसी ताकत का एहसास पूरी दुनिया को कराने के बाद देश और दुनिया के सनातन धर्मावलंबी होलिकादहन और होली की पर्व परंपरा से जुड़कर हर परिस्थिति में सत्य की जीत, एकता, सद्भावना का संदेश दे रहे हैं। सीएम योगी गुरुवार शाम पांडेयहाता में होलिकादहन उत्सव समिति की ओर से आयोजित भक्त प्रहलाद शोभायात्रा के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। होली के पर्व पर समस्त प्रदेशवासियों के प्रति मंगलकामना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि होली समेत सभी सनातनी पर्व, त्योहारों का एक ही संदेश है, सत्यमेव जयते का। हर हाल में सत्य की ही जीत होती है। थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है लेकिन सत्य को कोई झुका नहीं सकता, झुठला नहीं सकता और समाप्त नहीं कर सकता।

गन शूटर से उड़ेगा गुलाल, बजूका बरसाएंगें रंग, उल्लास से सतरंगी होगी आसमां

सुरेश गांधी

वाराणसी। होली के रंग में पूरा देश रंग चुकी है। हर तरफ रंगों का उल्लास बिखरा हुआ है। हर त्योहार को पूरे जोश और खरोश सेलीब्रेट करने वाला शहर काशी होली के रंगों से आसमां को सतरंगी करने के लिए तैयार है। फगुआ गीतों की स्वर लहरियां सबका मन मोह रही है। हर कोई झूमने को विवस है। सामाजिक संगठनें होली मिलन समारोह सेलिब्रेट कर रहे हैं। लोग एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई दे रहे हैं। दूसरी तरफ होली का रंग चटक हो चुका है। बाजारों में सजी पिचकरिया रंग बरसने को आतुर है। बाजार में मोदी पिचकारी व मोदी मुखौटों से लेकर योगी बुलडोजर वाली फोटोयुक्त पिचकारी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस बार पिट्ठू बंदूक से लेकर डोरेमोन वाटर टैंक वैरायटी की पिचकरियां जरुर नजर आ रही है। होली बाजार में खरीदारों की भीड़ में बच्चों में उत्साह देखते ही बन रहा है। बच्चे मास्क, पिचकारी वाटरमैन, वाटर बैलून की खरीदारी में जुटे रहे। इस बार बेलन-हथौड़ा जैसे यूनिक पिचकारी भी लोग खरीद रहे है। बच्चों में भी पीएम मोदी का क्रेज देखने को मिल रहा है।

फिरहाल, त्योहार कोई भी हो, बाजार की रौनक देखते ही बनती है. और हर एक त्योहार के लिए बाजार में नई से नई चीजें आती हैं. 1500 रुपये की इलेक्ट्रिक पिचकारी लोगों को अपनी तरफ खींच रही है। इस पिचकारी में बैटरी लगी है। बटन दबाते ही पानी की बौछार होती है। इसी तरह से बेलन, बंदूक, प्रेशर

पिचकारी व हथौड़ा पिचकारी बाजार में हैं। वहीं एनिमल मूवी के नाम पर आई पिचकारी की भी मांग अधिक है। मोदी का मुखौटा की मांग सबसे ज्यादा है। इसे बच्चों से लेकर बड़ों तक खरीद रहे है। इतना ही नहीं अब दिवाली की तरह होली के लिए भी अनार फुलझड़ी और स्काई शॉट्र्स आ गए हैं इनसे दिवाली वाली रोशनी नहीं बल्कि होली का गुलाल निकलता है. बाजार में होली पर मैजिक ग्लास की डिमांड बहुत ज्यादा है। इस खाली मैजिक ग्लास में आप बस पानी डाल दीजिए उस पानी में रंग अपने आप घुल जाएगा। इतना ही नहीं इस गिलास को 50-60 बार इस्तेमाल किया जा सकता है। यह अलग-अलग रंगों में मौजूद है. पिचकारी के थोक विक्रेता झन्नुलाल ने बताया कि मोदी-योगी से जुड़ी पिचकारी व भगवा रंग के गुलाल की मांग अधिक है। 20 रुपये से लेकर डेढ़ हजार रुपये तक की पिचकारी दुकान में है। बाजार में भगवा गुलाल के साथ मुखौटा की मांग है। दकानादारों का कहना है कि पहले ही कई लोगों ने भगवा गुलाल का आर्डर दिया था। थोक विक्रेताओं के पास यह गुलाल कम मात्रा में मिल रहा है। ऐसे में इसकी कीमत बढ़कर 200 रुपये किलो तक पहुंच गई है।

होली पर रंगों के साथ ही आतिशबाजी का भी माहौल देखने को मिलेगा। बाजार में ऐसे पटाखे आए हैं, जिन्हें जलाने पर चिंगारी नहीं, बल्कि अबीर-गुलाल उड़ेगा। डबल टंकी से एक साथ तीन रंग निकलेंगे। 52 सेकंड तक गुलाल की बौछार होगी। अनार बम फूटते ही अबीर-गुलाल उड़ेगा। वहीं, सिलिंडर से भी रंगों की बारिश होगी। मशाल गुलाल ऐसा है कि एक बार हाथ में लेकर बच्चे निकल जाएंगे तो पूरा मोहल्ला और मैदान अबीर से पट जाए। इस बार रॉकेट गुलाल भी बाजार में है। इसे जलाते ही 12 फीस तक ऊंचाई पर जाएगा और ऊपर से अबीर-गुलाल नीचे गिरेगा। आठ और 16 आवाज वाले पटाखे जलाने पर भी रंग उड़ेंगे। इस तरह गुलाल पिचकारी, हर्बल गुलाल, कलर मैजिक, पिचकारी समेत अन्य कई तरह के ऐसे अत्याधुनिक रंगों के उपकरण आए हैं, जिसके जरिये समूह में होली खेलना और भी आनंदायक होगा।

खास तौर पर समूह में होली खेलने वाले अनार गुलाल, डबल टंकी, मशाल जुलूस, कलर मैजिक, सिलिंडर की मांग ज्यादा कर रहे हैं। बच्चों में गुलाल पिचकारी, मलिंगा बाल, स्पाइडर मैन मुखौटा समेत अन्य कई तरह के होली के खिलौने भी हैं। अधिकतर ड्राई होली संबंधित मांग है।

भेदभाव के खिलाफ शिवदयाल चौरसिया ने किया संघर्ष :विनोद कुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर। राज्यसभा के पूर्व सांसद बहुजन हितैषी बाबू शिवदयाल चौरसिया की जयंती पर विधानसभा खुटहन के तिघरा बाजार में मनाई गई इस कार्यक्रम में चौरसिया समाज के अलावा भी तमाम समस्याओं ने अपनी बातें उनके संघर्षों को याद किया और बाबू शिवदयाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए कार्यक्रम की अध्यक्षता आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष विनोद कुमार प्रजापति के अध्यक्षता में शिवदयाल चौरसिया को याद किया गया इस अवसर पर विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखें कार्यक्रम के दौरान अबूसाद अहमद ने बताया कि बाबू शिवदयाल चौरसिया का जन्म 13 मार्च 1903 को लखनऊ के पास खारिक नामक ग्राम में हुआ था इसे अब तेलीबाग के नाम से जानते हैं इनके पिता का नाम पराग राम था श्री

चौरसिया बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के रहे उन्होंने बीएससी के बाद एलएलबी की शिक्षा प्राप्त की। विनोद कुमार प्रजापति ने कहा कि वे समाज के ऐसी पुरोधा रहे, जिन्होंने शिक्षा, पिछड़ापन, छुआछूत, भेदभाव के लिए जीवन भर संघर्ष किया। हम उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास करें। लाला चौरसिया ने अपने विचार रखते हुए बताया कि बाबू शिवदयाल चौरसिया ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने सन 1929 में वकालत शुरू की वे सामाजिक भेदभाव, ऊंच-नीच के विरोधी रहे। उन्होंने पिछड़ा और अनुसूचित जाति जनजातियों के खिलाफ हो रहे भेदभाव के खिलाफ जीवन भर संघर्ष किया। जब प्रथम राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग गठन के अध्यक्ष काका कालेलकर बने तो उन्हें इस आयोग का सदस्य बनाया गया। वे पिछड़ी जातियों को एक सूत्र में बांधने के लिए हमेशा तत्पर रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में शिवदयाल चौरसिया के चित्र पर पुष्प माला अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया गया ।उक्त अवसर पर शशि रजक अबूसाद अहमद मुमताज अहमद जियाउद्दीन राम प्रजापति लाल चौरसिया कृष्ण चंद्र चौरसिया धर्मराज चौरसिया आजाद सलमानी जियाउद्दीन आनंद कुमार काशी प्रसाद गुप्ता रंजीत सहित तमाम गण उपस्थित रहे।

सांड़ के हमले में दुकानदार की मौत

शाहजहांपुर (उत्तरशक्ति)। शाहजहांपुर जिले में छुट्टा गोवंशीय पशुओं के हमले से लगातार लोगों की जान जा रही है। बृहस्पतिवार को सांड़ के हमले में गंभीर रूप से घायल दुकानदार की इलाज के लिए शाहजहांपुर ले जाते समय मौत हो गई। होली के त्योहार पर दुकानदार की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव रुजहा कलां निवासी 48 वर्षीय रामकुमार साइकिल मिस्त्री थे। उन्होंने गांव की मोड़ पर साइकिल मरम्मत के लिए खोखा रखा हुआ था। बृहस्पतिवार को वह दुकान पर काम कर रहे थे। पूर्वाह्न लगभग साढ़े 11 बजे वह खोखे के पीछे गए तो वहां खड़े सांड़ ने रामकुमार पर हमला कर गंभीर घायल कर दिया। रामकुमार के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग लाठी, डंडे लेकर मौके पर पहुंचे और सांड़ को भगाया। जानकारी पाकर परिजन भी मौके पर पहुंचे और 108 सेवा की एंबुलेंस से रामकुमार को खुटार सीएचसी पर भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने रामकुमार को राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। राजकीय मेडिकल कॉलेज में रामकुमार को मृत घोषित कर दिया गया। रामकुमार की मौत की सूचना घर पहुंची तो परिजन बिलख उठे। रामकुमार की मौत से पत्नी कुसुमा देवी, पुत्र नरेंद्र, अनिल, शिवा, हरपाल, पुत्री चांदनी का रो-रोकर बुरा हाल है। होली के पर्व से एक दिन पहले हुई घटना से गांव के लोग भी गमगीन हैं। एसडीएम पुवायां संजय पांडे ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में आया है। मृतक का पंचनामा कराकर सहायता के लिए उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जाएगी। छुट्टा पशुओं के लिए खुटार के खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिए जाएंगे। पशुओं को संरक्षित कराया जाएगा। छुट्टा पशु पकड़े जाने का दावा खोखला, हाईवे से गांव तक घूम रहे सांड़ खुटार। प्रशासन का दावा है कि छुट्टा पशुओं को गोशालाओं में भेजा गया है, लेकिन हकीकत ठीक इसके विपरीत है। हाईवे से लेकर गांवों तक पशुओं के झुंड घूम रहे हैं। किसान जान जोखिम में डालकर रात-रातभर फसलों की रखवाली करते हैं। सरकार और शासन, प्रशासन छुट्टा पशुओं को लेकर सख्त है। स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे कि छुट्टा पशुओं को हर हाल में गोशाला भेजा जाए, लेकिन अधिकारी आदेशों को दबाकर बैठ जाते हैं। खुटार से पुवायां मार्ग पर पशुओं का पहला झुंड श्रीराम खांडसारी मिल के पास मिलता है। इसमें 20 से लेकर 50 तक पशु रहते हैं। इसके बाद गांव रूजहा कलां के पास, रामपुर कलां के पास, लक्ष्मीपुर मोड़, गंगसरा, बितौनी और धारा के पास छुट्टा पशु हाईवे पर बैठे रहते हैं।

बहन को परीक्षा दिलाकर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

फूलपुर। कोतवाली क्षेत्र के खुरासन रोड रेलवे स्टेशन के पास पर मंगलवार की शाम सवा पांच बजे चार पहिया वाहन ने बाइक सवार युवक को पीछे से धक्का मार दिया। इस हादसे में युवक की मौत हो गई। जबकि एक किशोरी घायल हो गई। मेंहनगर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी मोनू पाल (18) पुत्र सुरेश पाल दीदारगंज थाना क्षेत्र के रमोपुर निवासी अपनी मौसी की लड़की सृष्टि (16) पुत्री रामाशीष पाल को बाइक से संग्रामपुर विद्यालय से परीक्षा दिलाकर घर जा रहा था। फूलपुर के खुरासन रोड स्टेशन के समीप पहुंचे तो चार पहिया वाहन अचानक सामने आ गया। इसके चलते बाइक चार पहिया वाहन में टकरा गई। इस घटना में बाइक चालक और छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने लोगों की मदद से घायलों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया जहां मोनू पाल की हालत गंभीर देख उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहीं चार पहिया वाहन चालक को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

सोलर सिटी बनेंगे प्रदेश के सभी नगर निगम : सीएम योगी

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम स्तर पर लाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रौद्योगिकी और जन जागरूकता के समन्वय से ही अच्छे परिणाम आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य तय किया है उसमें राष्ट्रीय स्तर से लेकर स्थानीय स्तर तक के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इन कार्यक्रमों में जन प्रतिनिधियों के जरिये जन सहभागिता भी होनी चाहिए क्योंकि कोई भी आंदोलन जन सहभागिता के बिना सफल नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी नगर निगमों को सोलर सिटी के रूप में विकसित करेगी। सीएम योगी गुरुवार को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम - एनसीएपी) पर नगर निगम की तरफ से एक होटल में आयोजित

नेशनल कांफ्रेंस के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। 2027 तक गोरखपुर को खुले में कचरा जलाने से मुक्त शहर बनाने का रोडमैपह्न थीम पर महानगर के एक होटल में आयोजित कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रकृति सबकी आवश्यकता की पूर्ति कर सकती है पर किसी के लोभ को पूरा करने का सामर्थ्य उसमें नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रकृति-पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चलाए गए कार्यक्रमों का उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम स्तर पर लाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति से खिलवाड़ का नतीजा सबने कोविड काल में देखा है। कोविड के दूसरे लहर में लोग ऐसे ही तड़प रहे थे जैसे जल से निकली मछली तड़पती है। उन्होंने कहा की मानव से तैयार विकृतियों का दुष्परिणाम मानव को खुद ही भुगतना होगा। कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम करने के लिए प्रदेश सरकार के प्रयासों की चर्चा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2017 से राज्य सरकार ने प्रदेश से 17 लाख हैलोजन हटाकर एलईडी स्ट्रीट लाइट लगवाई है। इस पर एक भी पैसा खर्च नहीं हुआ। हैलोजन से कार्बन उत्सर्जन अधिक होता था साथ ही ऊर्जा का व्यय भी अधिक होता था। एलईडी लाइट लगने से कार्बन उत्सर्जन भी कम हुआ और ऊर्जा की भी बचत हो रही है। एलईडी लगवाने के एवज में संबंधित कम्पनी को ऊर्जा बचत के अंतर का पैसा दिया गया। इस व्यवस्था से निकायों में एक हजार करोड़ रुपये की बचत हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए ही सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया। इसके समानांतर विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना लागू कर मिट्टी के उत्पादों को बढ़ावा दिया। मिट्टी के कारीगरों को क्षमता बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिक और सोलर चाक दिए गए। इससे प्लास्टिक के कचरे से तो मुक्ति मिली ही, रोजगार के नए अवसर भी सृजित हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्लास्टिक उत्पादों के विकल्प रूप में केले के रेशे से उत्पाद बनाने वाले प्लांट का शिलान्यास लखीमपुर में किया गया है।

विशेष योग में हर गली-गली मुहल्ले में हुआ होलिका पूजन और दहन

रंग के साथ संगीत और ठंडाई का लुत्फ उठा रहे लोग, घाटों पर जमकर झूमे लोग

सुरेश गांधी

वाराणसी। धुलेंडी के एक दिन पहले शहर से लेकर देहात तक में होलिका पूजन और उहन का सिलसिला चला। हर गली मुहल्लें में गुरुवार सुह से ही हासेलिका बनाई गयी। शाम तक आकर्षक सजावट और फाग गीतों के बीच महिलाओं ने परिवार सहित होलिका का पूजन किया और आधी रात के बाद भद्रा खत्म होते ही दहन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धू-धू कर होलिका जली तो चारों तरफ का माहौल हर्षोल्लास से भर गया। उत्साहित श्रद्धालुओं ने गुलाल अबीर-गुलाल उड़ाकर भक्त प्रहलाद और भगवान श्रीकृष्ण से देश और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। होलिका दहन के बाद मौजूद लोगों के बीच एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देने का सिलसिला शुरू हो गया।

शुक्रवार को धुलेंडी पर शहर में होली का रंग चढ़ेगा, लेकिन लोग अभी से होलियाना मूड में दिखने लगे हैं। उड़त गुलाल लाल भए बादर, फगुआ गीतों संग डीजे की धुन पर धमाल मचाते रहे। घर से घाटों तक मस्ती के साथ होली खेलते दिखे लोग। बाबा विश्वनाथ धाम में भक्तों ने खेली पंखुड़ियों की होली। हर तरफ खुशियों की बौछार, जोगिरा ... सारा.. रारा की गूंज रही थी। होली की मस्ती में हर कोई चूर दिख रहा हैं। जगह जगह होरियारे टोली बनाकर मस्ती में झूमते नजर आ रहे हैं। क्या बच्चे, क्या बूढ़े सबपर रंगों का नशा चढ़ गया है। कोई डीजे लगाकर तो कोई लोक गीतों पर झूमता नजर आ रहा है। या यूं कहे शतरंगी रंगों में सराबोर हो उठा था भोले की काशी। जबकि होलिका दहन के दिन कहीं निकला शिव बारात, तो कहीं जोगिरा का आयोजन। सुबह से ही होली पर्व पर शुभकामनाएं संदेश देने का दौर शुरू हो गया था। मोबाइल पर संदेश दिन जारी रहे। फोन करके भी लोगों ने एक दूसरे को शुभकामना दी।

होलिका दहन से पहले बनारस की फिजां में होली की मस्ती घुल गई। गलियों से लेकर गंगा घाट तक फागुन का उल्लास हर किसी के सिर चढ़कर बोला। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग रंगों की बौझार से सराबोर दिखे। हर तरफ रंग-गुलाल रंगे युवाओं की टोलियां नाचते-गाते चल रही थी। जो रास्ते में आता उस पर रंग-गुलाल उड़ेल कर लाल-पीला कर दिया। हर तरफ मस्ती और उल्लास भरा माहौल था। डीजे की धुन पर मस्ती से सराबोर युवा थिरक रहे थे। महिलाएं भी टोलियों में घूम-घूम कर रंग-गुलाल लगा रहा थी। मानो ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे रंगों में प्यार स्नेह और अपनत्व की बरसात हो रही हो। रंग-गुलाल लगाने के बाद एक-दुसरे का मुंह मिठा कराकर और गले मिलकर बधाईयां देते रहे। खास बात यह है कि काशी के उत्सवों में सबसे ज्यादा विदेशी सैलानी इस उत्सव में आएं और देसी-विदेशी सैलानी रंग-बिरंगे रंगों से सराबोर नजर आ रहे है। देर शाम तक होली का जूनून लोगों पर छाया रहा। शहर से लेकर गांव तक फगुआ गीतों की धुन पर लोगों फगुवा रंग में रंगे नजर आ रहे है। कहीं होरियारों की टोली तो कहीं डीजे की धून पर लोग थिरकते रहे।

कई जगहों पर होली बारात निकाली गई। भूत, प्रेत, पिशाच और होलियारों की टोली जब निकली तो होली का माहौल रंगों और गुलाल से सराबोर हो उठा। सामाजिक सौहार्द का संदेश देने वाली यात्रा में हिंन्दू और मुसलमान दोनों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसी के साथ होली का हुड़दंग भी शुरू हो गया। बग्घी पर सवार दूल्हा और दुल्हन, भगवान स्वरूप में सजी झांकियों को देखने के लिए भारी संख्या में लोग जमा रहे। बारात के चल रहे जोगीरा भी होली के पारंपरिक गीत गुनगुनाते हुए चल रहे थे। शहर के जैतपुरा मुहल्ले से परंपरागत तरीके से नए रंग-रोगन, साज-सज्जा और पूरे शानो-शौकत के साथ होली बारात निकाली गई। बारात में सभी समुदायों के लोगों ने मिलकर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की। घोड़ा, ऊंट के साथ ढोल-नगाड़े, डीजे बैंड, रोड लाइट की चकाचौंध में कोई ठुमक-ठुमक कर तो कोई नाचते-गाते चल रहा था। बारात शीतला माता मंदिर से उठकर जैतपुरा, डिगिया, औसानगंज, डीएबी कालेज, ईश्वरगंगी लालकुआं, रसूलपुरा होते हुए बड़ी बाजार पहुंचकर समाप्त हो गया। इसके पहले अनूठी परंपरा के तहत मंत्रोच्चार के बीच दूल्हे राजा का अजब-गजब श्रृंगार किया गया। इस अनूठे नजारे को जिसने भी देखा सभी हंसते-हंसते लोटपोट हो गए। मूसल नचाए गए और लोढ़ा घुमावन हुआ। दूल्हे की आरती उतारी गई तो सूप लोकावन के साथ राई-मिर्च से नजर भी उतारी गई। कुछ ऐसा ही दुल्हन की डोला भी भव्यता के साथ सजाई गयी। इसके बाद बारात चलना शुरू हुई तो हजारों की संख्या में लोग शामिल हो गए। होली की उल्लास के बीच बारात में फिल्मी गीतों पर बाराती नाचते-गाते चल रहे थे। इससे पूरा माहौल रंगीन हो गया। हर कोई एक ही रंग में रंगे नजर आ रहे थे।